वर्ष : 27 | अंक : 62 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, शुक्रवार, 21 फरवरी, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

महाकुम्भ में भक्तों के उत्साह में नहीं आई कमी

58.03

करोड़ से अधिक लोगों ने संगम में अब तक किया स्नान

महाकुम्भनगर (ब्यूरो)। प्रयागराज महाकुम्भ में आस्था और पुण्य की डुबकी लगाने वालों की संख्या 58.03 करोड़ को पार कर चुकी है। त्रिवेणी के जिस पावन जल में पुण्य की डुबकी लगाने के लिए देश विदेश के विभिन्न हिस्सों से करोड़ों श्रद्धालु और पर्यटक आ रहे हैं उनके लिए संगम पर्याप्त निर्मल जल उपलब्ध हो इसके लिए निरन्तर योगी सरकार प्रयास कर रही है। सिंचाई विभाग पिछले दो महीने से उसकी नियमित और निरंतर मॉनिटरिंग कर रहा है। आज भी महाकुंभ में महा भीड़ उमड़ी है। सुबह 10 बजे तक 49.10 लाख से अधिक लोगों ने संगम में स्नान किया। कुल 58.03 करोड़ से अधिक लोग अब तक महाकुंभ में डुबकी लगा चुके हैं। महाकुंभ का यह विशाल स्नान पर्व लगातार भक्तों के उत्साह और आस्था का प्रतीक बनता जा रहा है।

धीरे-धीरे अपने समापन की तरफ बढ़ रहा प्रयागराज महाकुम्भ सिर्फ एक धार्मिक आयोजन ही नहीं बल्कि भारत की संस्कृति, परंपरा और अध्यात्म की भव्यता के उच्चतम बिंदु का साक्षी बन रहा है। सभी अमृत स्नान और माघ का महीना निकल जाने के बाद भी संगम में प्रतिदिन एक करोड़ से अधिक लोग त्रिवेणी के पावन जल में डुबकी लगाने की ललक में आ रहे हैं। संगम में इन श्रद्धालुओं के लिए पर्याप्त और निर्मल जल बना रहे इसके लिए सिंचाई विभाग लगा हुआ है। प्रयागराज के सिंचाई विभाग के कार्यकारी अभियंता रमेश कुमार सिंह बताते हैं कि संगम में प्रतिदिन लगभग 13 हजार क्यूसेक पानी गंगा बैराज से छोड़ा जा रहा है। उनके अनुसार, दिसंबर 2024 से गंगा बैराज से नियमित अंतराल पर पानी छोड़ा जा रहा है, जिसका उद्देश्य महाकुम्भ के दौरान संगम पर पर्याप्त जल सुनिश्चित करना है।

उत्तर प्रदेश की ग्रोथ रेट सबसे ज्यादा है : योगी

● महाकुंभ से यूपी की अर्थव्यवस्था को मिला फायदा

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते एक दशक में देश में 25 करोड़ लोगों को गरीबी से निकाला गया है और हमारी सरकार ने यूपी में छह करोड़ लोगों को गरीबी से निकाला है। प्रदेश में निवेश आ रहा है। मुझे पूरा यकीन है कि वर्ष 2029 तक यूपी की अर्थव्यवस्था वन ट्रिलियन की हो जाएगी। उन्होंने कहा कि उप्र की ग्रोथ रेट सबसे ज्यादा है।

बजट सत्र के चौथे दिन विधानसभा में बोलते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में महाकुंभ जैसा वैश्विक आयोजन हो रहा है इससे प्रदेश की अर्थव्यवस्था को सीधे तौर पर तीन लाख करोड़ रुपये का लाभ होगा। जिस प्रदेश को सपा-बसपा और कांग्रेस की सरकारों ने बीमारू राज्य बना रखा था वो अब हर सेक्टर में विकास कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार आने से पहले प्रदेश में किसान आत्महत्याएं कर रहा था। अब यूपी गन्ना उत्पादन में, चीनी उत्पादन में और इथेनॉल के उत्पादन में प्रथम स्थान पर है। किसानों को उनकी फसल के मूल्य का भुगतान समय पर किया जा रहा है। पूरा देश और दुनिया प्रदेश के विकास को लेकर आशान्वित है और हमारे विकास में योगदान देने के लिए तैयार है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाकुंभ से यूपी की अर्थव्यवस्था को फायदा मिला है। आज हर क्षेत्र में विकास हो रहा है, लेकिन कुछ लोगों को यह अच्छा नहीं लगता।

एक्शन में दिल्ली की सीएम

पूर्व मुख्यमंत्री व मंत्रियों के व्यक्तिगत स्टॉफ की सेवाएं खत्म

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की कमान संभालते ही मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ताबड़तोड़ फैसले ले रही हैं। राजधानी दिल्ली में भाजपा सरकार ने आज यानी शुक्रवार को एक बड़ा फैसला लिया है। नई सरकार ने पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी और मंत्रियों के व्यक्तिगत स्टाफ की सेवाएं खत्म कर दी है। इतना ही नहीं पूर्व सरकारों ने जिन अधिकारियों और कर्मचारियों को दूसरी जगह नियुक्ति किया था, अब उनको तुरंत अपने मूल विभागों में रिपोर्ट करने का आदेश दिया गया है। आज दोपहर मेंभी मुख्यमंत्री ने कैबिनेट के मंत्रियों के साथ बैठक की।

जानकारी के अनुसार, कई अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रतिनियुक्ति पर दूसरे बोर्ड कारपोरेशन में भेजा गया था। वहीं, सप्ताह भर पहले सभी विभागों से पूर्व सरकार की ओर से कंट्रैक्ट और व्यक्तिगत स्टाफ की जानकारी मांगी गई थी। उनको मूल विभाग में लौटने को कहा गया है। दिल्ली सरकार में स्वास्थ्य एवं परिवहन मंत्री (शेष पृष्ठ-3 पर)

राष्ट्रपति और पीएम मोदी से मुलाकात करेंगी

"मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता आज दोपहर में राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति से मुलाकात करेंगी। इसके बाद सीएम रेखा गुप्ता शाम में पीएम मोदी से भी मुलाकात करेंगी।

FIIT JEE के चेयरमैन व प्रबंधकों समेत 31 के बयान दर्ज

नोएडा (चेतना मंच)। FIIT JEE मामले में नोएडा पुलिस ने जांच तेज कर दी है। इस मामले में नोएडा पुलिस FIIT JEE प्रबंधकों के खाते भी सीज कर चुकी है। नोएडा पुलिस संस्थान पर कड़ा एक्शन ले रही है। नोएडा पुलिस ने नोएडा सेंटर हेड समेत 31 लोगों के बयान अब तक दर्ज किए हैं। चेयरमैन व मैनेजमेंट के अन्य सदस्यों के भी बयान दर्ज किए गए हैं। जांच में नोएडा सेंटर हेड की भूमिका पर सवाल उठे हैं। पुलिस ने पेरेंट्स के भी बयान किए हैं। आने वाले दिनों में सेंटर से जुड़े लोगों पर कार्रवाई हो सकती है।

FIIT JEE मामले की जांच थाना सेक्टर-58 पुलिस कर रही है। आपको बतादें कि संस्थान नेबिना किसस सूचना के नोएडा, गाजियाबाद व अन्य जगहों पर स्थित अपने सेंटरों को बंद कर दिया था जिससे हजारों छात्रों का भविष्य संकट में पड़ गया है। FIIT JEE बंद होने के बाद स्टाफ ने आकाश इंस्टीट्यूट में जॉइन किया था।

ससुरालियों से चल रहा था झगड़ा, युवक को मार दी गोली

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा के थाना ईकोटेक क्षेत्र में डी पार्क के पास एक युवक को गोली मार दी गई। युवक को अस्पताल में भर्ती कराया है जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया है। बताया जा रहा है कि पारिवारिक विवाद के चलते युवक की गोली मारकर हत्या की गई है।

डीसीपी नोएडा सेंट्रल शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि थाना ईकोटेक पुलिस को सूचना मिली कि डीपार्क के पास एक युवक को गोली मारी गई है। युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान 29 वर्षीय मनजीत मिश्रा के रूप में हुई है, जो गाजियाबाद के इंदिरापुरम का निवासी है। पुलिस अधिकारी मौके पर मौजूद है। फॉरेंसिक टीम से घटनास्थल का निरीक्षण कराया जा रहा है। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे मृतक के परिजनों ने बताया कि ससुराल वालों के साथ मंजीत का विवाद चल रहा था और शादी 1 साल पहले हुई थी। मृतक के परिजनों ने ससुराल वालों के खिलाफ नामदर्ज तहरीर दी जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी की जाएगी।

कार में सवार गौ-तस्करों से मुठभेड़

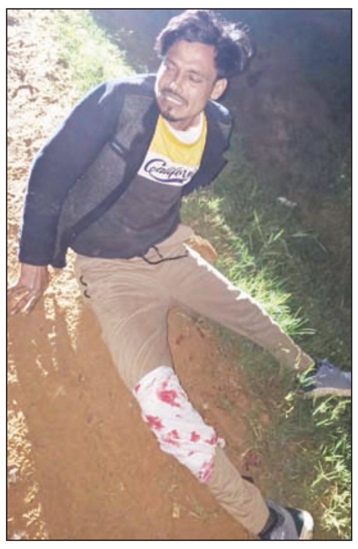

गाजियाबाद (चेतना मंच)। स्वाट टीम ग्रामीण एवं थाना वेवसिटी पुलिस ने मुठभेड़ के बाद दो गौ तस्करों को गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ के दौरान एक गौ तस्कर के पैर में गोली लगी है। पुलिस को सूचना मिली थी कि वेंटो कार में 2 गौ तस्कर घूम रहे हैं। पुलिस ने घेराबंदी कर मुठभेड़ के बाद इन्हें गिरफ्तार किया है। गौतस्करों के पास से अवैध शस्त्र तथा छुरा रस्सी एवं नशीले इंजेक्शन आदि बरामद हुआ है।

सहायक पुलिस आयुक्त, वेव सिटी सुश्री लिपि नगायच ने बताया कि स्वाट टीम डीसीपी ग्रामीण एवं थाना वेवसिटी पुलिस द्वारा कार सवार 2 गौ तस्करों से हुई मुठभेड़ के दौरान नौशाद पुत्र बाबू निवासी उझारी थाना सैद नगली जिला अमरोहा हाल पता कांति नगर न्यू सीलामपुरी दिल्ली गोली लगने से घायल हुआ है तथा दूसरा साथी शहनवाज पुत्र गफ्फूर निवासी सैफखां सराय थाना कोतवाली सम्भल (26 वर्ष) वेलकम जाफराबाद भी गिरफ्तार किया गया है। गिरफतार बदमाशों पर गैंगस्टर/गोकशी/चोरी/ हत्या का प्रयास/शस्त्र अधिनियम आदि के 02 दर्जन से अधिक मामले दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद व संभल आदि मे दर्ज हैं।

साक्षरता शिविर व खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित

दादरी (चेतना मंच)। नेहरू युवा केंद्र खेल मंत्रालय द्वारा दादरी क्षेत्र में स्थित स्टेडियम में छात्र-छात्राओं के लिए खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गौतम बुद्ध नगर द्वारा बालकों के लिए साक्षरता शिविर आयोजित किया गया। यह शिविर जनपद न्यायाधीश गौतमबुद्धनगर अवनीश सक्सेना के दिशा निर्देशन में एवं अपर जिला जज सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गौतमबुद्धनगर ऋचा उपाध्याय की अध्यक्षता में आयोजित किया गया।

नेहरू युवा केंद्र खेल मंत्रालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित विभिन्न स्कूल के लगभग 200 छात्र एवं छात्राओं के मध्य कबड्डी व वालीबाल तथा 400 मीटर दौड़ आदि खेल प्रतियोगिता आयोजित की गई।

उक्त खेल प्रतियोगिता के साथ आयोजित विधिक साक्षरता शिविर के माध्यम से अपर जिला जज एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गौतमबुद्धनगर ऋचा उपाध्याय द्वारा उपस्थित बालक व बालिकाओं को गुड टच बेड टच व पोश एक्ट तथा विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित योजनाओं की संबंध में जानकारी दी गई।

शिविर में अपर जिला जज सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गौतमबुद्धनगर ऋचा उपाध्याय, राजकीय खेल अध्यापक बालचंद नगर, पी एल वी राजवीर सिंह अकेला तथा जिला युवा खेल अधिकारी नेहरू युवा केंद्र खेल मंत्रालय स्निग्धा के साथ आदर्श विद्यालय व अन्य विद्यालयो के छात्र व छात्राएं उपस्थित रहे।

सेक्टर-71 पहुंचे जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारी

● आरडब्ल्यूए की सुनी समस्याएं दिया कार्यवाही का आश्वासन

नोएडा (चेतना मंच)।

नोएडा प्राधिकरण हेल्थ विभाग द्वारा आज सेक्टर-71 नोएडा में लोगों की समस्याएं सुनी गई तथा उसके निस्तारण का आश्वासन दिया गया। अधिकारियों ने सफाई से संबंधित समस्याएं सुनी और शीघ्र समाधान करवाने का आश्वासन दिया।

सेक्टर-71 स्थित शिवशक्ति एपार्टमेंट आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष जग्गा यादव तथा अन्य पदाधिकारियों ने पार्कों के रखरखाव व अन्य समस्याएं प्रमुखता से रखीं।

अधिकारियों द्वारा आश्वासन मिला कि जो समस्या है उनको तत्काल प्रभाव से उनका समाधान करवाया जाएगा।

RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

(हम भीड़ मे दौड़ना नहीं जीतना सिखाते हैं)

कोड 0910011910
सरस्वती ग्लोबल स्कूल
सेक्टर-22, नोएडा 8750611103
*फीस ना के बराबर *नि:शुल्क एडमिशन फीस
केवल 10 महीने की मासिक फीस

दिमाग में गंदगी

हाल ही में यूट्यूब के एक कथित कॉमेडी शो से उठे राष्ट्रव्यापी विवाद के बाद आरोपी यूट्यूबर को गिरफ्तारी से राहत देते वक्त सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी टिप्पणियां की हैं। सुप्रीम कोर्ट ने सख्त लहजे में आरोपी से कहा कि उसने अपने दिमाग में भरी गंदगी को उगला है। अदालत ने रणवीर इलाहाबादिया के बयान पर कठोर टिप्पणी करते हुए कहा कि उसकी बातों से बेटियों, बहनों और माता-पिता को भी शर्मिंदगी उठानी पड़ी है। साथ ही सुप्रीम कोर्ट में न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह ने केंद्र सरकार से पूछा कि वह सोशल मीडिया पर अश्लीलता रोकने की योजना बताएं। अन्यथा इस मामले में कोर्ट देखेगा। उल्लेखनीय है कि यूट्यूबर और कॉमेडियन समय रैना के एक शो 'इंडियाज गॉट टेलेंट' के एक एपिसोड को लेकर पिछले दिनों खासा विवाद हुआ। जिसको लेकर पूरे देश में तल्ख प्रतिक्रिया सामने आई। कई राज्यों में अश्लील टिप्पणी करने वाले यूट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया के खिलाफ मामले दर्ज किए गए। दरअसल, रणवीर ने एक प्रतिभागी से उसके माता-पिता के निजी संबंधों को लेकर आपत्तिजनक सवाल किए थे। इस अमर्यादित व अश्लील टिप्पणी को लेकर देशव्यापी आलोचना की जा रही है। कालांतर यूट्यूब को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के नोटिस के बाद इस एपिसोड को हटाना पड़ा था। दरअसल सोशल मीडिया पर ऐसी अश्लील व अभद्र टिप्पणी करने का यह पहला मामला नहीं है। अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर अनाप-शनाप बकने का सिलसिला पिछले लंबे समय से सोशल मीडिया पर चल रहा है। दरअसल, कई कॉमेडियन व कलाकार विभिन्न कार्यक्रमों में ऐसी बकवास करते रहते हैं ताकि उन्हें नकारात्मक चर्चा से व्यापक पहचान मिल सके। लगातार कोशिश होती रहती है कि वर्जित विषयों को कार्यक्रमों में शामिल करके तरह-तरह के विवाद खड़े किए जाएं। दरअसल, टीवी चैनल भी टीआरपी के गंदे खेल में ऐसे हथकंडे अपनाने से नहीं चूकते, जो विवाद पैदा करें। ऐसे कॉमेडी कार्यक्रमों की लंबी श्रृंखला है जो अश्लीलता, फूहड़ता और अभद्रता को अपने विषय वस्तु बनाते हैं। पिछले कुछ समय से सोशल मीडिया और ओटीटी प्लेटफॉर्मों पर वर्जना तोड़ते कार्यक्रमों की बाढ़ सी आई हुई है। विडंबना यह है कि सोशल मीडिया में संपादक नामक संस्था का कोई स्थान नहीं है। जिसके चलते अभिव्यक्ति की आजादी की दुहाई देकर तमाम वर्जित विषयों व संवादों को तरजीह दी जा रही है। एक हकीकत यह भी है कि अभद्र, अश्लील, आपत्तिजनक और पोर्नोग्राफिक कंटेंट से सोशल मीडिया कंपनियों को भी मुनाफा होता है। कार्रवाई की मांग किए जाने पर ये विदेशी कंपनियां अमेरिकी कानून को अपना कवच बनाने का प्रयास करती हैं। विगत में भी एक विवाद के बाद दिल्ली हाईकोर्ट ने सभी डिजिटल कंपनियों को शिकायत अधिकारी नियुक्त करने के निर्देश दिए थे। यद्यपि आईटी मंत्रालय को आपत्तिजनक एप्स और कंटेंट को ब्लॉक करने का अधिकार है। लेकिन इसके बावजूद सोशल मीडिया की निरंकुश भूमिका को देखते हुए एक सख्त कानून की जरूरत महसूस हो रही है। इसके अभाव में ऐसे विवादित कार्यक्रम सुर्खियों में आते रहते हैं। हो-हल्ला होने के बाद प्राथमिकी दर्ज होती है, लेकिन बहुत कम मामलों में आरोपियों को सजा हो पाती है। उन्हें कानूनी संरक्षण देने वाले भी खुलकर सामने आते हैं। यही वजह है रणवीर इलाहाबादिया वाले मामले में शीर्ष अदालत ने उनको लेकर सख्त टिप्पणियां की हैं। नीति-नियंताओं को इस सामाजिक प्रदूषण को रोकने के लिये कारगर कानून बनाने होंगे ताकि आरोपियों को समय से सजा मिल सके। जिससे रातों-रात फेमस होने की होड़ में सामाजिक विकृतियों व कुंठाओं को प्रश्रय न मिले। सदियों से सहेजे गए जीवन मूल्यों व सभ्याचार का संरक्षण करना समाज की भी जिम्मेदारी है। यदि इसकी महीन लक्ष्मण रेखा का अतिक्रमण होता है तो सामूहिक प्रतिरोध जरूरी है। नीति-नियंताओं को भी इस दिशा में गंभीरता से सोचना होगा। तकनीकी क्रांति व विकास का मतलब यह कदापि नहीं है कि हम पश्चिम की विकृतियों व यौन कुंठाओं का अंधानुकरण करें। कालांतर ये प्रवृत्तियां न केवल सामाजिक विद्रूपताओं को सींचती हैं बल्कि अपराधों के लिये भी उर्वरा भूमि तैयार करती हैं। साथ ही सोशल मीडिया के कंटेंट पर निगरानी के लिये सशक्त नियामक संस्था की जरूरत भी महसूस की जा रही है।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि और जैसा कुछ मेरी समझ में आता है, हे सुमुखि! वही कारण मैं तुमको सुनाता हूँ। जब-जब धर्म का ह्रास होता है और नीच अभिमानी राक्षस बढ़ जाते हैं॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

करहिं अनीति जाइ नहिं बरनी। सीदहिं बिप्र धेनु सुर धरनी॥
तब तब प्रभु धरि बिबिध सरीरा। हरहिं कृपानिधि सज्जन पीरा॥

और वे ऐसा अन्याय करते हैं कि जिसका वर्णन नहीं हो सकता तथा ब्राह्मण, गो, देवता और पृथ्वी कष्ट पाते हैं, तब-तब वे कृपानिधान प्रभु भाँति-भाँति के (दिव्य) शरीर धारण कर सज्जनों की पीड़ा हरते हैं॥

दो0-असुर मारि थापहिं सुरन्ह राखहिं निज श्रुति सेतु।
जग बिस्तारहिं बिसद जस राम जन्म कर हेतु॥

वे असुरों को मारकर देवताओं को स्थापित करते हैं, अपने (श्वास रूप) वेदों की मर्यादा की रक्षा करते हैं और जगत में अपना निर्मल यश फैलाते हैं। श्री रामचन्द्रजी के अवतार का यह कारण है॥

सोइ जस गाइ भगत भव तरहीं। कृपासिंधु जन हित तनु धरहीं॥
राम जनम के हेतु अनेका। परम बिचित्र एक तें एका॥

उसी यश को गा-गाकर भक्तजन भवसागर से तर जाते हैं। कृपासागर भगवान भक्तों के हित के लिए शरीर धारण करते हैं। श्री रामचन्द्रजी के जन्म लेने के अनेक कारण हैं, जो एक से एक बढ़कर विचित्र हैं॥

(क्रमशः...)

दिल्ली की किस्मत 'रेखा' से एनसीआर की अपेक्षाएं

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से न केवल दिल्ली वासियों बल्कि एनसीआर के लोगों की अपेक्षाएं बढ़ चुकी हैं। क्योंकि दिल्ली-एनसीआर के इतिहास में संभवतया यह पहला मौका है जब दिल्ली और उसके पड़ोसी राज्य हरियाणा और उत्तरप्रदेश में भी भाजपा की सरकार है। चूंकि दिल्ली और एनसीआर के शहरों यथा-गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, फरीदाबाद, गुरुग्राम, रोहतक, सोनीपत आदि में चोली-दामन का सम्बन्ध बन चुका है, इसलिए दिल्ली के मुख्यमंत्री से सबकी सकारात्मक अपेक्षाएं रहती आई हैं।

लिहाजा, अब यह रेखा गुप्ता पर निर्भर करेगा कि हरियाणा-उत्तरप्रदेश की भाजपा सरकारों को साधकर वह दिल्ली-एनसीआर वासियों के दूरगामी हित कितने महत्वपूर्ण कदम उठा पाती हैं। वहीं यदि वह राजस्थान और उत्तराखंड की भाजपा सरकारों को भी साध लें तो दिल्ली-एनसीआर वासियों का ज्यादा भला कर पाएंगी। ध्रुवसत्य है कि जब लोगों की रोजमर्रा की जरूरतें किसी नेता के एजेंडे में शामिल हो जाती हैं तो दोनों का संतुलित विकास होता है।

ऐसे में यदि भाजपा और उसके तीनों-चारों मुख्यमंत्री जनहित में 'ग्रेटर दिल्ली' बनाने की पहल करे तो एनसीआर वासियों के लिए इससे बड़ी खुशी की बात कुछ हो ही नहीं सकती। क्योंकि ऐसा होने से जहां गाजियाबाद-गौतमबुद्धनगर के लोगों को लखनऊ-प्रयागराज-कानपुर के चक्कर लगाने से मुक्ति मिलेगी, वहीं फरीदाबाद-गुरुग्राम-रोहतक-सोनीपत के लोगों को चंडीगढ़ जाने से मुक्ति मिलेगी।

वहीं, जो लोग अब तक यह कहते आए हैं कि दिल्ली का न अपना मौसम है, न पानी है, उनकी यह शिकायत भी दूर हो जाएगी। क्योंकि ग्रेटर दिल्ली के पास अपना मौसम और अपना पानी दोनों हो जाएगा। निर्बाध विद्युत आपूर्ति में भी कोई बाधा नहीं आएगी। सड़कें चकाचक हो जाएंगी। यही नहीं, ग्रेटर दिल्ली बनने से यहां की लोकसभा सीटें बढ़ेंगी, विधानसभा सीटें बढ़ेगी, नगर निगम का आकार बढ़ेगा और यहां विधान परिषद के गठन की भी बात बढ़ेगी। इसके अलावा, यहां न केवल अपराध पर लगाम लगाया जा सकेगा, बल्कि दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र के संतुलित विकास में भी मदद मिलेगी।

इसलिए भले ही हरियाणा सरकार, उत्तरप्रदेश

सरकार या राजस्थान सरकार ग्रेटर दिल्ली बनाने के लिए अपने विकसित शहर व जनपद देने को राजी न हों, लेकिन दिल्ली-एनसीआर वासियों के भावी हितों के मद्देनजर केंद्र सरकार को इसके लिए खुले दिल से विचार करना चाहिए। यह मुद्दा कोई कपोलकल्पित बात नहीं है, बल्कि जब तब चुनावों में उठता भी आया है। इस बार दिल्ली में भाजपा सरकार बनवाने के पीछे लोगों के जेहन में भी यह बात रही है। चूंकि मोदी हैं तो मुमकिन है, इसलिए ये वाला फॉर्मूला यहां भी लागू होना चाहिए।

यदि ऐसा होता है तो दिल्ली की दो बड़ी समस्याओं- यमुना नदी प्रदूषण और वायु प्रदूषण का भी ठोस समाधान निकल पाएगा। यहां के उद्योगों के विस्तार के लिए भूमि और जनसंख्या की किल्लत भी महसूस नहीं होगी। एक सीजीएसटी और चार एसजीएसटी से भी उद्यमी बच जाएंगे। चूंकि दिल्ली को छोटा हिंदुस्तान करार दिया जाता है, इसलिए इसका दायरा भी थोड़ा बड़ा हो जाएगा। इससे विभिन्न राज्यों के सांस्कृतिक विकास में भी यहां मदद मिलेगी।

यदि आप देश के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों पर नजर डालेंगे तो अधिकांश जगहों पर भाजपा और एनडीए की सरकार मिलेगी। इसलिए उनसे तालमेल बिठाकर भी ग्रेटर दिल्ली के सपने को साकार किया जा सकता है।

वहीं, दिल्ली-एनसीआर के कूड़े-कचरों का भी सही समायोजन हो पाएगा। दिल्ली के तीनों कूड़े के पहाड़ों को 100-150 किलोमीटर दूर ले जाने में भी मदद मिलेगी।वाकई, दिल्ली-एनसीआर का भौगोलिक क्षेत्र जितना बड़ा है, यदि उसे ग्रेटर दिल्ली में सम्मिलित कर लिया जाए तो इस दिल्ली प्रदेश के विकास में आशातीत उन्नति होगी। ऐसा इसलिए कि अमूमन यहां के लोग एक दिन में दो-तीन-चार-पांच प्रदेशों का दौरा कारोबारी, राजनीतिक, समाजसेवा या व्यक्तिगत कारणों से करते हैं, इससे उन्हें सभी राज्यों को अलग-अलग टैक्स/टोल टैक्स आदि भी देना पड़ता है, जिससे यहां के उत्पाद महंगे हो जाते हैं।

यदि ऐसा हुआ तो यहां के लोगों को रोजगार भी ज्यादा मिलेगा। ऐसा देखा जाता है कि एनसीआर के शहरों को सलीके से लूटने के लिए इनके इनके प्रदेश मुख्यालयों में गिरोह सक्रिय रहता है। लिहाजा ग्रेटर दिल्ली बनने से इस घटिया मानसिकता से भी मुक्ति मिलेगी। चूंकि आप और कांग्रेस से चुनावी प्रतिस्पर्धा में भाजपा ने कई फ्रीबीज की घोषणाएं की हैं, इसलिए उनको भी एक एक करके पूरा करवाने की जिम्मेदारी रेखा गुप्ता के कंधों पर होगी।

दिल्ली में सड़कों का निर्माण, शिक्षा व जनस्वास्थ्य व्यवस्था का सुदृढ़ीकरण, झुग्गी-झोपड़ियों का विकास, अवैध से वैध हुई कॉलोनियों में पार्क, सामुदायिक भवन, शौचालय, पेयजल आदि जनसुविधाओं की बहाली पर भी रेखा गुप्ता सरकार को तुरंत फोकस करना होगा, क्योंकि दिल्ली के मतदाता जागरूक बहुत हैं। चूंकि रेखा गुप्ता हरियाणा मूल की भाजपा नेत्री हैं, अग्रवाल वैश्य समाज से आती हैं, प्रगतिशील महिला हैं, आरएसएस-भाजपा के लोगों को साथ लेकर चलती आई हैं, मोदी-शाह के एजेंडे के प्रति ततपर रहती आई हैं, इसलिए नवनिर्वाचित विधायक होने के बावजूद पार्टी नेतृत्व ने उन्हें मौका दिया है।

कहना न होगा कि उन्हें तीन बार निगम पार्षद बनने, डीयू छात्र संघ की अध्यक्ष रहने, एमसीडी मेयर का चुनाव लड़ने और पार्टी में विभिन्न पदों पर सक्रिय रहने का गौरव हासिल है, इसलिए लोगों को उम्मीद है कि वह उन्हें निराश नहीं करेंगी। दरअसल, दिल्ली के मुख्यमंत्री पद तक पहुंचने में उन्होंने पार्टी के जितने बड़े-बड़े कद्दावर नेताओं को धराशायी किया है, उससे स्पष्ट है कि साधारण दिखती हुई भी वो असाधारण शख्सियत रखती हैं। इसलिए दिल्ली-एनसीआर के सपनों ग्रेटर दिल्ली को भी साकार कर सकती हैं, यदि वह ठान लें तो।

- कमलेश पांडेय
वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक

नगर निगम में भ्रष्टाचार पर सुप्रीम कोर्ट की तल्ख टिप्पणी

इस देश के किसी भी शहर के किसी भी नगर निगम या विकास प्राधिकरण के कार्यालय चले जाइए, बाहर घूमते दलालों की फौज यह बताते हुए नजर आती है कि वहां किस पैमाने पर भ्रष्टाचार फैला हुआ है। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति तो यह है कि भ्रष्टाचार को खत्म करने के तमाम दावों के बावजूद आम लोगों का रिश्वत दिए बिना कोई काम हो पाना, आज भी उतना ही मुश्किल है जितना कई वर्षों या दशकों पहले हुआ करता था।

हालत यह है कि कोई भी व्यक्ति अपना निजी रिहायशी मकान बनवाने के लिए जैसे ही घर के सामने रेत,रोड़ी,बदरपुर और ईंट मंगवाते हैं वैसे ही पुलिस और नगर निगम अथवा विकास प्राधिकरण का कोई न कोई बंदा रिश्वत की मांग को लेकर पहुंच जाता है। लेकिन इन्ही के इलाके में बड़े पैमाने पर अवैध निर्माण होते रहते हैं, बिल्डरों की मनमानी चलती रहती है और ये चुप्पी साध कर बैठे रहते हैं। दिल्ली से सटे गाजियाबाद और गौतमबुद्ध नगर जैसे जिलों में तो हालात कहीं ज्यादा भयावह और बेकाबू हो चुके हैं। शहरीकरण की अंधी दौड़ में भ्रष्टाचार और बिल्डरों की मनमानी के कारण आम लोग त्राहि-त्राहि कर रहे हैं लेकिन कोई सुनने वाला नहीं है।

देश की राजधानी दिल्ली की हालत भी इस मामले में बेहतर नहीं है। दिल्ली नगर निगम के कामकाज के बारे में तो सब जानते हैं। अब सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई करते हुए दिल्ली नगर निगम पर जिस तरह की तल्ख टिप्पणी कर दी है, उससे एक बार फिर से एमसीडी की कड़वी सच्चाई बाहर आ गई है। सुप्रीम कोर्ट ने चांदनी चौक में अवैध निर्माण को लेकर दिल्ली नगर निगम की निष्क्रियता पर गंभीर टिप्पणी करते हुए यहां तक कह दिया कि क्या दिल्ली नगर निगम बिल्डरों के हाथ में चल रहा है ? सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच के सामने सोमवार को एक मामले में दिल्ली नगर निगम ने तर्क दिया कि हाई कोर्ट के आदेश के बाद अवैध निर्माण को हटा दिया गया था और इसकी रिपोर्ट भी उपलब्ध है। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली नगर निगम के रवैये पर तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि, कोई पीआईएल दायर करता है, तब जाकर आप जागते हैं और दिखावे की कार्रवाई करने लगते हैं। हाई कोर्ट भी आपकी बातों को मानकर मामले को बंद कर देता है। क्या नगर निगम बिल्डरों के हाथ में चल रहा है ? सर्वोच्च न्यायालय ने सीबीआई से जांच करवाने की बात कहते हुए दिल्ली नगर निगम को कारण बताओ

राजधानी दिल्ली की हालत भी इस मामले में बेहतर नहीं है। दिल्ली नगर निगम के कामकाज के बारे में तो सब जानते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई करते हुए दिल्ली नगर निगम पर जिस तरह की तल्ख टिप्पणी कर दी है, उससे एक बार फिर से एमसीडी की कड़वी सच्चाई बाहर आ गई है।

नोटिस भी जारी कर दिया है,जिसमें यह पूछा गया कि मामले की गहन जांच क्यों न कराई जाए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस मामले में केवल मौके का मुआयना ही काफी नहीं है, बल्कि दिल्ली नगर निगम की कार्यप्रणाली की भी जांच होनी चाहिए, ताकि यह पता चल सके कि अवैध निर्माण की अनुमति किन कारणों से दी गई। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं को आर्किटेक्ट एवं इंजीनियर जैसे स्वतंत्र विशेषज्ञों के नाम सुझाने को भी कहा है, जो साइट का निरीक्षण कर अपनी रिपोर्ट दे सके। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट सीबीआई जांच को लेकर अपना फैसला दे सकती है। क्योंकि दिल्ली नगर निगम के बयान पर दिल्ली हाई कोर्ट इससे पहले बाग दीवार, फतेहपुरी, चांदनी चौक में अवैध निर्माण को हटाने संबंधी याचिका का निपटारा कर चुका है। यानी अवैध निर्माण को लेकर पीआईएल दायर होने के बाद ही दिल्ली नगर निगम जागती है, थोड़ी-बहुत कार्रवाई का दिखावा कर रिपोर्ट जमा कर देती है और हाई कोर्ट उस याचिका का निपटारा कर देता है। लेकिन इससे न तो बिल्डरों के रवैये में कोई बदलाव आता है और न ही दिल्ली नगर निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों के रवैये में।

ऐसे में एक बार फिर से यही सवाल उठ कर सामने आ रहा है कि क्या अवैध निर्माण को लेकर अधिकारियों की जिम्मेदारी तय नहीं की जानी चाहिए। जिन अधिकारियों के कार्यकाल में इस तरह के अवैध निर्माण होते हैं,क्या उनके लिए भी सजा का कोई प्रावधान नहीं होना चाहिए। दिल्ली से सटे उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में तो प्लाटिंग करके जमीनों को लोगों को बेच दिया। कई जगह पावर ऑफ अटॉर्नी के जरिए बेचा गया और कई जगह बकायदा रजिस्ट्री भी करवाई गई लेकिन वर्षों बाद उसे सरकारी जमीन बता दिया जाता है। तो ऐसे में क्या उस दौरान इन जिलों में तैनात रहने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होनी चाहिए ? जरूर होनी चाहिए, बल्कि अगर ऐसे अधिकारी रिटायर भी हो गए हों तो भी उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। तभी भ्रष्टाचार और अवैध निर्माण के इस जिन्न को बोतल में बंद करने में कामयाबी मिल पाएगी। अगर ऐसा नहीं होता है तो तय मान कर चलिए कि भ्रष्टाचार, अवैध निर्माण और बिल्डरों की मनमानी के खिलाफ सब लफ्फाजी ही कर रहे हैं।

-संतोष पाठक
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं।)

राशिफल

फाल्गुन कृष्ण पक्ष अष्टमी | (विक्रम संवत् 2081)

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। बचकर पार करें। गुण-ज्ञान की प्राप्ति होगी। लेकिन स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
आनंददायक जीवन गुजरेगा। प्रेमी-प्रेमिका की मुलाकात होगी। जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ङ , छ, के, हो, हा)
शत्रु भी मित्रवत व्यवहार करने की कोशिश करेंगे। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। प्रेम-संतान व व्यापार अच्छा रहेगा।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
विद्यार्थियों के लिए अच्छा समय रहेगा। लिखने-पढ़ने के लिए अच्छा समय रहेगा। प्रेम में तू-तू-मैं-मैं संभव है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
गृहकलह के संकेत हैं लेकिन घरेलू जीवन में, घरेलू सामग्रियों में और भौतिक सुख-संपदा में वृद्धि होगी

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
पराक्रम रंग लाएगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। व्यावसायिक सफलता मिलेगी।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
धन का आगमन होगा। कुटुंबों में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य में सुधार। प्रेम-संतान का साथ। व्यापार अच्छा।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
धन-धान्य से परिपूर्ण होंगे। स्वास्थ्य अच्छा है। प्रेम-संतान व व्यापार अच्छा है। भाग्यवश कुछ काम बनेंगे।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
मन चिंतित रहेगा। थोड़ा सा खर्च की अधिकता भी रहेगी। स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है। प्रेम-संतान मध्यम है।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
आर्थिक उन्नति करेंगे। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। स्वास्थ्य ठीक है। प्रेम-संतान व व्यापार बहुत अच्छा है।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
राजनीतिक लाभ मिलेगा। उच्चाधिकारियों का आशीर्वाद मिलेगा। व्यावसायिक सफलता मिलेगी।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
भाग्यवश कुछ काम बनेंगे। यात्रा का योग बनेगा। धर्म-कर्म में हिस्सा लेंगे। प्रेम-संतान अच्छा है।

बजट में जिम्स को 200 करोड़, यमुना सिटी में डेटा सेंटर निर्माण का रास्ता साफ

ग्रेटर नोएडा। प्रदेश सरकार के बजट में जिले को कई महत्वपूर्ण सौगातें मिली हैं। राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान (जिम्स), कासना को 200 करोड़ रुपये दिए जाने की घोषणा की गई है। इसमें 100 करोड़ रुपये से मेडिकल कॉलेज का निर्माण होगा, जबकि शेष 100 करोड़ रुपये कर्मचारियों के वेतन और अन्य कार्यों पर खर्च किए जाएंगे।

जिम्स मेडिकल कॉलेज का निर्माण 2026 तक पूरा होने की उम्मीद है। इसके बाद एमबीबीएस की सीटें 100 से बढ़कर 250 हो जाएंगी और अस्पताल में 700 नए बेड जोड़े जाएंगे, जिससे कुल 1200 बेड की सुविधा उपलब्ध होगी। इससे जिम्स एक मल्टी-स्पेशियलिटी अस्पताल के रूप में विकसित होगा। वर्तमान में जिम्स के एमबीबीएस छात्र गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय में पढ़ाई कर रहे हैं, क्योंकि संस्थान के पास अपनी कॉलेज बिल्डिंग नहीं है। इससे विद्यार्थियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। अब 100 करोड़ रुपये से कॉलेज बिल्डिंग निर्माण पूरा किया जाएगा, जिससे छात्रों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। बजट में प्रदेश के आठ डेटा सेंटरों के लिए 30 हजार करोड़ रुपये जारी किए गए हैं, जिससे यमुना सिटी के डेटा सेंटर का कार्य जल्द शुरू होने की उम्मीद है।

यमुना प्राधिकरण ने सेक्टर-28 में 100 एकड़ जमीन डेटा सेंटर के लिए चिन्हित की थी, लेकिन वित्तीय बाधाओं के कारण परियोजना रुकी हुई थी। अब, सरकार के बजट आवंटन के बाद 250 की जगह 900 मेगावाट क्षमता के डेटा सेंटर बनाए जाएंगे।

पहले प्राधिकरण ने 50 एकड़ पर सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क और शेष 50 एकड़ पर डेटा सेंटर बनाने का प्रस्ताव रखा था। अब बजट मिलने के बाद इस परियोजना को तेजी से आगे बढ़ाने की तैयारी हो रही है। बजट में मिले 200 करोड़ से जिम्स का विकास और 30 हजार करोड़ से डेटा सेंटर परियोजनाओं का रास्ता साफ हो गया है। इससे इलाज और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे, जिससे ग्रेटर नोएडा और आसपास के क्षेत्रों को बड़ा लाभ मिलेगा।

सिटी बस टर्मिनल की इमारत में होगा बदलाव, अस्पताल संचालन की तैयारी

नोएडा। सेक्टर-82 स्थित नोएडा सिटी बस टर्मिनल की खाली इमारत को किराए पर देकर अस्पताल के रूप में संचालित किया जाएगा। इसके लिए इमारत के इंटीरियर में बदलाव की योजना बनाई जा रही है, ताकि अस्पताल के संचालन की आवश्यक सुविधाएं विकसित की जा सकें।

अस्पताल के संचालन को ध्यान में रखते हुए इमारत के अंदर ओपीडी, वार्ड, तीमारदारों के लिए अलग सेक्शन, एक्सीलेटर और विशेष प्रवेश व निकासी गेट बनाए जाएंगे। इस डिजाइन को प्राधिकरण बोर्ड में प्रस्ताव के रूप में पेश करेगा, जिसे स्वीकृति मिलने के बाद ही बदलाव शुरू किए जाएंगे।

प्राधिकरण की योजना है कि बस टर्मिनल का संचालन भी बना रहे, जिसके लिए बिना इंटीरियर बदले यह संभव नहीं होगा। अस्पताल संचालन के लिए रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (आरएफपी) जारी कर कंपनियों से आवेदन मांगे गए थे, जिनमें से चार कंपनियां अपने सुझाव दे रही हैं।

फिलहाल, यह टर्मिनल ट्रांसपोर्ट उपयोग के लिए स्वीकृत है। अस्पताल संचालन के लिए इसके बिल्डिंग बायलाज में बदलाव किया जाएगा, लेकिन यह तभी संभव होगा जब प्रस्ताव को मंजूरी मिल जाएगी। वर्तमान में इस इमारत में परिवहन निगम और साइबर क्राइम पुलिस कार्यालय भी संचालित हो रहे हैं।

सिटी बस टर्मिनल कुल 30,643 वर्गमीटर क्षेत्रफल में बना हुआ है, जिसमें 13,532 वर्गमीटर एरिया बिल्टअप है। प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद, इमारत के बाहरी और आंतरिक हिस्सों में जरूरी बदलाव किए जाएंगे, जिससे इसे टर्मिनल से अलग पहचान मिल सके।

एनटीपीसी टाउनशिप में आवारा कुत्तों का खौफ, 21 लोगों को काटा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। एनटीपीसी दादरी टाउनशिप विद्युत नगर में आवारा कुत्तों की दहशत से एनटीपीसी टाउनशिप के निवासी परेशान हैं। आवारा कुत्तों ने पूरे एनटीपीसी टाउनशिप में आतंक मचा रखा है। कुछ ही दिनों में टाऊनशिप के 14 निवासियों को पागल कुत्ते ने काट लिया है।

एनटीपीसी टाउनशिप में आवारा कुत्तों की संख्या अचानक बढ़ गई है। कुछ ही दिनों में यह आवारा कुत्ते लगभग 21 लोगों को काट चुके हैं। यहाँ तक कि एनटीपीसी हॉस्पिटल के सीएमओ आलोक कुमार एवं उपमहाप्रबंधक रवेंद्र कुमार, देवराज सिंह, गीतांजलि सिंह को कुत्तों ने बुरी तरह काटकर जख्मी कर दिया।

गीतांजलि को एनटीपीसी हॉस्पिटल से रेफर कर गाजियाबाद हॉस्पिटल भेजा गया है।

यहां रहने वाले लोगों ने बताया कि एनटीपीसी प्रबंधन ने शिकायतों को गंभीरता से नही लिया। प्रबंधन की निष्क्रियता एवं उदासीनता के कारण टाऊनशिप के लोग दहशत में हैं और डर के कारण कर्मचारी अपने घर से बाहर नही निकल पा रहे हैं। टाउनशिप के कर्मचारी और मजदूर कुत्ते के आतंक से बचने के लिए लाठी डंडे लेकर घूम रहे है।

यूपी का बजट खोखले वादों का पुलिंदा : भाटी

नोएडा (चेतना मंच)। कांग्रेस के जिला अध्यक्ष दीपक भाटी चोटीवाला ने कहा कि बजट के नाम पर सरकारें खोखले वादे और झूठ का पिटारा बनाने का शग़ल बन गयीं है। यही बानगी इस बजट में भाजपा की उत्तर प्रदेश सरकार सरकार ने बरकरार रखी है। किसानों को गन्ना मूल्य के नाम पर झुनझुना पकड़ा दिया गया है, ग्राम विकास के लिए कुछ खास नहीं है ज्यादातर पुरानी बजटीय बातों और वादों को दोहराया गया है। मलिन बस्ती कल्याण, छात्राओं को स्कूटी आदि की घोषणाओं से लगता है अभी से अगले चुनाव की तैयारी शुरू कर दी गयी है। आवारा पशुओं से रोज़ दुर्घटनाओं में जानें जा रहीं है मगर घोषणाओं के अलावा अभी तक कुछ नही किया गया है।

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने जिलाधिकारी को सौंपा पत्र

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। परिषदीय विद्यालयों की शिक्षिकाओं को बाल्य देखभाल अवकाश (चाइल्ड केयर लीव - सीसीएल) स्वीकृत न किए जाने के कारण उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ, गौतमबुद्ध नगर ने जिलाधिकारी को पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि जिन शिक्षिकाओं के बच्चों की बोर्ड परीक्षा है और निपुण असेसमेंट टेस्ट भी पूरा हो चुका है, वे बोर्ड परीक्षा के दौरान अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगी। ऐसे में उन्हें बाल्य देखभाल अवकाश स्वीकृत किया जाना चाहिए।

इस अवसर पर मंडलीय मंत्री, मेरठ, मेघराज भाटी ने कहा कि सरकार द्वारा शिक्षिकाओं को उनके बच्चों की देखभाल के लिए बाल्य देखभाल अवकाश दिया जाता है। जब उनके बच्चे बोर्ड परीक्षा दे रहे हैं, तब इस अवकाश को स्वीकृत किया जाना चाहिए।

जिला अध्यक्ष प्रवीण शर्मा ने कहा कि शिक्षिकाएँ पूरे वर्ष विद्यालय में अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करती हैं, इसलिए उनका अधिकार बनता है कि वे आवश्यकता पड़ने पर बाल्य देखभाल अवकाश प्राप्त कर सकें। हमने जिलाधिकारी महोदय से अनुरोध किया है कि सभी शिक्षक बोर्ड परीक्षा की ज़िम्मेदारी को पूर्ण निष्ठा से निभाएँगे, अतः शिक्षिकाओं को बाल्य देखभाल अवकाश की स्वीकृति प्रदान की जाए।

इस अवसर पर जिला संरक्षक अशोक शर्मा, जिला मंत्री गजन भाटी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष बले राम नागर, ब्लॉक अध्यक्ष (दनकौर) सतीश पहलवान, मंत्री राम कुमार शर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष (जेवर) हेमराज शर्मा, मंत्री रोदास सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष (दादरी) रवि भाटी, मंत्री वेदप्रकाश गौतम, ब्लॉक अध्यक्ष (बिसरख) स्मिता सिंह, मंत्री मीना यादव आदि शिक्षक उपस्थित रहे।

ओम प्रकाश राजभर माफी मांगे : सैन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। सैन सविता समाज उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष डॉ यतेंद्र सैन ने कहा कि अयोध्या में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रदेश सरकार के मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने सैन समाज को जाति सूचक शब्दों का प्रयोग किया है। जिसको सैन समाज कभी भी बर्दास्त नहीं करेगा। इसको लेकर सम्पूर्ण भारत में सैन समाज में आक्रोश है। मुख्य मंत्री योगी आदित्य नाथ महाराज सैन सविता समाज आप से मांग करता है की आपकी सरकार में पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर को बर्खास्त करो और उन्हें सार्वजनिक रूप से माफ़ी मगनी चाहिए अगर ऐसा नहीं होता है तो सम्पूर्ण भारत में विरोध होगा। हम भाजपा और योगी के समर्थन में है और रहेंगे। प्रदेश महामंत्री सैन समाज डॉ अरुण सैन ने कहा की राजभर भाषा को सुधारलो नहीं हम आपको समझाने का काम करेंगे प्रवीन कुमार सैन प्रदेश मंत्री सैन सविता समज ने कहा की हमारी मांग है की सरकार राजभर को बर्खास्त करे नहीं तो इनके खिलाफ आंदोलन होगा जिसमे विशन कुमार सैन प्रदेश महामंत्री, प्रदीप सैन प्रदेश मंत्री, सुनील कुमार सैन जिला अध्यक्ष बुलंदशहर जयवीर सैन ,डॉ प्रवीण सैन जिला अध्यक्ष आदि मौजूद रहे।

धूमधाम से मनाया युवा कांग्रेस अध्यक्ष का जन्मदिन

नोएडा (चेतना मंच)। युवा कांग्रेस गौतमबुद्धनगर जिलाध्यक्ष जावेद खान का जन्मदिन हर्ष उल्लास के साथ सैक्टर-93 पाटी कार्यालय नोएडा में मनाया गया।

इस मौके पर महानगर कांग्रेस कमेटी नोएडा अध्यक्ष मुकेश यादव,जिला कांग्रेस कमेटी गौतमबुद्धनगर पूर्व जिलाध्यक्ष दिनेश शर्मा, वरिष्ठ कांग्रेस नेता एडवोकेट दिनेश अवाना, महानगर कांग्रेस कमेटी नोएडा पूर्व अध्यक्ष शहाबुद्दीन, एनएसयूआई जिलाध्यक्ष गौतमबुधनगर राज कुमार मोनू,नोएडा विधानसभा युवा कांग्रेस अध्यक्ष नीरज आवाना, दादरी विधानसभा युवा कांग्रेस अध्यक्ष जितेंद्र शर्मा उर्फ़ जीतू, सेविक सोशल आउटरीच गौतमबुद्धनगर जिलाध्यक्ष जीशान चौधरी, नोएडा विधानसभा युवा कांग्रेस महासचिव राम गुप्ता, श्याम दीक्षित, अंकित पाठक, परवेज़, सलमान, परवेज़, पूर्व ब्लाक प्रमुख रणवीर भाटी,नवल सिंह चौहान, श्याम बाबू, मोनू पंडित, पूजा गुप्ता, ज्योति पाल, नसीम, रोहित शर्मा,दीपक चौहान,सोनू शर्मा, विवेक शर्मा, सन्नी,रोनी शर्मा व अन्य लोग मौजूद रहे।

पृष्ठ एक के शेष....

पूर्व मुख्यमंत्री व...

डॉ. पंकज सिंह का कहना है कि उन्होंने आज अहम मीटिंग बुलाई है। स्वास्थ्य विभाग की हालत बहुत खराब है।

उन्होंने कहा कि मोहल्ला क्लीनिकों की जांच की जाएगी। दवाइयों में कमी से लेकर डॉक्टर के प्रिस्क्रिप्शन तक की जांच की जाएगी। अगर गड़बड़ मिली तो कार्रवाई की जाएगी। डीटीसी की बसों का पूरा आंकलन किया जाएगा। बताया गया है कि 40 फीसदी बसें डिपो में हैं। नई बसें नहीं खरीदी गई हैं। इन सबकी जांच होगी।

इसके अलावा रेखा गुप्ता सरकार ने कहा कि दिल्ली की बसों में महिलाओं का फ्री सफर जारी रहेगा। इसमें किसी तरह का बदलाव नहीं किया जा रहा है।

ऐतिहासिक बजट स्वागत के योग्य : प्रणीत

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा कल विधानसभा में 2025-26 का पेश किया गया ऐतिहासिक एवं स्वागत योग्य है। यह बात भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष एवं गौतम बुद्ध नगर लोकसभा क्षेत्र के संयोजक प्रणीत भाटी ने एक बातचीत के दौरान कही। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा पेश किया गया यह बजट प्रत्येक क्षेत्र में तेजी से विकास को गति देगा। शिक्षा, सड़क और स्वास्थ्य के क्षेत्र में यह बजट अग्रणी भूमिका निभाएगा। उन्होंने इसे ऐतिहासिक बजट बताते हुए कहा कि इससे प्रदेश का सर्वांगीण विकास होने जा रहा है।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी सरकार ने अब तक का सबसे ऐतिहासिक बजट पेश किया है, जिसकी जितनी प्रशंसा की जाए, वह कम है। उन्होंने यह भी कहा कि जब से भारतीय जनता पार्टी की सरकार सत्ता में आई है, तभी से वह प्रदेश के विकास के लिए कृतसंकल्पित है। विपक्ष को यह सर्वाधिक विकासोन्मुखी बजट पसंद नहीं आ रहा है।

पीडीए जन पंचायत कर महिलाओं को किया जागरूक

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ महिला नेत्री पूजा भाटी के नेतृत्व में ग्रेटर नोएडा के गांव लड़पुरा में पीडीए जनपद पंचायत का आयोजन कर महिलाओं को जागरूक किया गयागई। इस मौके पर सपा नेत्री पूजा भाटी ने कहा कि भाजपा सरकार बनने के बाद महिलाओं के साथ अत्याचार की घटनाओं में वृद्धि हुई है। आज देश और प्रदेश में महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं।

भाजपा सरकार महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करने के बजाय महिलाओं शोषण करने वालों को संरक्षण दे रही है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार में महिला और बेटियों के हित के लिए अनेक योजना चलाई थी, जिसका लाभ सभी वर्गों की महिलाओं को मिला था।

इस मौके पर मुख्य रूप से कृशान्त भाटी, मंजु भाटी, ममता भाटी, नेहा भाटी, सरोज, बबली, मिथलेश, राजवती, हरचन्दी देवी, राकेश, गीता, शीतल, रीना, इंद्रा, प्रीति, शिवानी, जागन देवी, पायल, ज्योति, मीनू, राजेन्दरी, निर्मला, प्रीतम, कशीश, आदेश, रितिका, मीनाक्षी, सीमा भाटी, मुनेश, शिवांगी, अर्चना, निधि, मुकेश आदि उपस्थित रहे।

केंद्रीय बजट के खिलाफ जंतर-मंतर पर किया प्रदर्शन

नई दिल्ली/नोएडा (चेतना मंच)। मोदी सरकार के जनविरोधी एवं कॉर्पोरेट समर्थक केंद्रीय बजट के खिलाफ कल वाम दलों के कार्यकर्ताओं ने जंतर मंतर, नई दिल्ली पर विरोध प्रदर्शन किया।

विरोध प्रदर्शन को संबोधित करते हुए भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) दिल्ली-एनसीआर राज्य सचिव, कॉमरेड अनुराग सक्सेना ने बजट के मजदूर, किसान और आमजन विरोधी प्रावधानों को उजागर करते हुए सरकार की नीतियों की कड़ी निंदा की।

सीपीआई नेता कॉमरेड दिनेश ने कहा कि बजट में महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक असमानता को नियंत्रित करने का कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

माकपा नेता गंगेश्वर दत्त शर्मा ने कहा कि यह बजट केवल बड़े औद्योगिक घरानों के हितों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। जन समस्याओं और जनकल्याणकारी मुद्दों से इसका कोई लेना-देना नहीं है। सच में, यह बजट भारत की जनता, किसानों, मजदूरों, गरीबों और बेरोजगारों के साथ एक बड़ा धोखा है, क्योंकि इस बजट से उन्हें कोई राहत नहीं मिलने जा रही है।

प्रदर्शन में नोएडा से माकपा नेता राम स्वारथ, सुमन राय, रामसागर, गंगेश्वर दत्त शर्मा, भीखू प्रसाद सहित कई कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact:
0120-2518100,
4576372, 2518200
Mo.: 9811735566,
8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

खास खबर

हसीना का प्रत्यर्पण बांग्लादेश की अंतरिम सरकार की प्राथमिकता : प्रवक्ता

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस के कार्यालय ने मंगलवार को कहा कि अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना का भारत से प्रत्यर्पण उनके देश की प्राथमिकता है। मुख्य सलाहकार यूनुस के प्रेस सचिव शफीक-उल आलम ने संवाददाताओं से कहा, ''यह सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है।'' उन्होंने बताया कि ढाका हसीना को प्रत्यर्पित करने के अपने प्रयासों को जारी रखेगा ताकि व्यक्तिगत तौर पर उन पर मुकदमा चलाया जा सके। आलम ने कहा कि एक भारतीय मीडिया समूह द्वारा किए गए सर्वेक्षण से पता चला है कि 55 प्रतिशत भारतीय चाहते हैं कि उन्हें वापस ढाका लाया जाए, जबकि कुछ प्रतिशत उन्हें दूसरे देश भेजना चाहते हैं और केवल 16-17 प्रतिशत चाहते हैं कि वे भारत में ही रहें।

नाइजीरिया में विद्रोहियों को निशाना बनाकर किए गए सैन्य हवाई हमले में कई नागरिकों की मौत

अबुजा , एजेंसी। नाइजीरिया में विद्रोहियों द्वारा पुलिस को निशाना बना कर हमले किए जाने के बाद सैन्य बलों ने विद्रोहियों पर हमले किए जिसमें कई आम नागरिक मारे गए। नाइजीरियाई वायु सेना ने कटसीना राज्य के सफाना क्षेत्र में मारे गए नागरिकों की संख्या का खुलासा नहीं किया लेकिन प्रवक्ता ओलुसोला अकिनबोयेवा ने एक बयान में कहा कि हताहतों की संख्या पता लगाई जा रही है। अकिनबोयेवा ने नागरिकों के हताहत होने की खबर को ''बेहद परेशान करने वाला'' बताया और कहा कि वायु सेना ने पुलिस पर विद्रोहियों के हमले के जवाब में यह हमला किया है। वहीं अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार समूह 'एमनेस्टी इंटरनेशनल' ने एक बयान में कहा कि हवाई हमले में कम से कम 10 लोग मारे गए। मानवाधिकार समूह ने हवाई हमले को नाइजीरियाई सेना की ओर से मानवाधिकारों के उल्लंघन की कड़ी में नयी घटना बताया और सरकार से इसकी स्वतंत्र जांच कराने का आग्रह किया। इस वर्ष यह दूसरी बार है जब नाइजीरिया के अशांत उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में सैन्य हवाई हमले में आम नागरिक मारे गए। नाइजीरिया की सेना अक्सर देश के उत्तरी हिस्से में अस्थिरता पैदा करने वाले चरमपंथियों का खात्मा करने के लिए हवाई हमले करती है। लागोस के 'एसबीएम इंटेलिजेंस रिसर्च फर्म' के अनुसार 2017 से अब तक हवाई हमलों में करीब 400 नागरिक मारे गए हैं।

ट्रंप बोले- बाइडन युग के सभी अटॉर्नी बर्खास्त होंगे

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल में न्याय विभाग के राजनीतिकरण का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा, पहले कभी न्याय विभाग का इतना राजनीतिकरण नहीं हुआ। ट्रंप ने कहा, मैंने बाइडेन युग के सभी अमेरिकी अटॉर्नी को बर्खास्त करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा, हमें तुरंत सफाई कर लोगों का विश्वास बहाल करना चाहिए। बकौल ट्रंप, अमेरिका के स्वर्ण युग में एक निष्पक्ष न्याय प्रणाली होनी, जिसकी शुरुआत आज से होनी चाहिए।

पाकिस्तान में सुरक्षा बलों ने 30 आतंकवादी मार गिराए

इस्लामाबाद, एजेंसी। सुरक्षा बलों ने उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में खुफिया सूचना आधारित अभियान (आईबीओ) में 30 आतंकवादियों को मार गिराया। सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने मंगलवार को बताया कि सुरक्षा बलों को आतंकवादियों की मौजूदगी की जानकारी थी। सोमवार को दक्षिण वजीरिस्तान जिले के सरोघा क्षेत्र में आतंररोधी अभियान चलाया गया। सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों के ठिकाने पर प्रभावी तरीके से कब्जा कर लिया और 30 आतंकियों को मार गिराया। प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ और राज्यपाल खैबर पख्तूनख्वा ने सफल सैन्य अभियान के लिए पाकिस्तान सशस्त्र बलों को बधाई दी।

हमास शनिवार को छह जीवित बंधकों को और रिहा करेगा, चार शव भी सौंपे जाएंगे

इजराइल, एजेंसी। हमास के एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि समूह शनिवार को छह इस्राइली बंधकों को रिहा करेगा। साथ ही गुरुवार को चार इस्राइली बंधकों के शव भी लौटाए जाएंगे। इस्राइल द्वारा तबाह हो चुके गाजा पट्टी में मोबाइल घरों और निर्माण उपकरणों को अनुमति देने के बाद से बंधकों की रिहाई में आश्चर्यजनक तेजी आई है। हमास नेता खलील अल हय्या ने मंगलवार को जारी एक बयान में बताया कि जिन मृतकों के शव सौंपे जाएंगे, उनमें बिबास परिवार के सदस्य शामिल हैं। इनमें दो छोटे बच्चे और उनकी मां शामिल है।

अमेरिका से निकाले गए करीब 300 लोग, पनामा के होटल में रोके गए; प्रवासियों के वापसी की प्रक्रिया जारी

पनामा सिटी, एजेंसी। पनामा में लगभग 300 लोगों को एक होटल में रोका गया है, जिन्हें अमेरिका ने निकाला है। ये लोग अलग-अलग देशों के हैं और जब तक उनकी वापसी की व्यवस्था नहीं हो जाती, तब तक उन्हें होटल से बाहर जाने की अनुमति नहीं है। अधिकारियों के अनुसार, 40त्र से ज्यादा प्रवासी अपने देश लौटने के लिए तैयार नहीं हैं। होटल में बंद प्रवासियों ने खिड़कियों पर संदेश लगाए हैं, जिनमें लिखा है - मदद करें और हम अपने देश में सुरक्षित नहीं हैं।

10 एशियाई देशों से आए हैं प्रवासी : ये प्रवासी 10 एशियाई देशों से आए हैं, जिसमें ईरान, भारत, नेपाल, श्रीलंका, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और चीन के लोग शामिल हैं। अमेरिका के लिए इन देशों में सीधा निर्वासन करना मुश्किल है, इसलिए पनामा को एक रास्ते का ठहराव के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। इसी तरह का एक और डिपोर्टेशन फ्लाइट बुधवार को कोस्टा रिका पहुंचने की उम्मीद है।

प्रवासी को दी जा रही बुनियादी सुविधाएं : पनामा के सुरक्षा मंत्री फ्रैंक एब्रेगो ने कहा कि ये प्रवासी चिकित्सा सुविधा और भोजन प्राप्त कर रहे हैं। यह पूरी व्यवस्था अमेरिका और पनामा के बीच हुए एक समझौते के तहत हो रही है। अमेरिका इस पूरे ऑपरेशन का खर्च उठा रहा है। वहीं पनामा के राष्ट्रपति जोसे राउल मुलिनो, जो ट्रंप की पनामा नहर पर नियंत्रण को लेकर दी गई धमकियों के कारण राजनीतिक दबाव में हैं, ने पिछले गुरुवार को पहली डिपोर्टेशन फ्लाइट के आने की घोषणा की थी। लेकिन इन प्रवासियों की बंदी जैसी स्थिति को लेकर पनामा में चिंता बढ़ रही है। कुछ प्रवासियों की खिड़कियों से झांकते और मदद की अपील करते हुए तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। हालांकि, मंत्री फ्रैंक एब्रेगो का कहना है कि ये लोग कैद में नहीं हैं, लेकिन फिर भी उन्हें होटल के कमरों से बाहर जाने की अनुमति नहीं है। होटल की सुरक्षा पुलिस की तरफ से की जा रही है।

अपने देशों को लौटने के लिए तैयार प्रवासी : अब तक 299 में से 171 प्रवासी अंतरराष्ट्रीय संगठनों की मदद से अपने-अपने देशों को लौटने के लिए तैयार हो गए हैं। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी (यूएनएचआरसी) और अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आईओएम) बाकी 128 लोगों के लिए समाधान खोज रहे हैं, ताकि वे किसी तीसरे देश में बस सकें। एक आयरलैंड की नागरिक पहले ही अपने देश लौट चुकी है। जो प्रवासी अपने देश वापस जाने के लिए तैयार नहीं हैं, उन्हें पनामा के दारिएन प्रांत के एक विशेष केंद्र में रखा जाएगा। पनामा के मानवाधिकार विभाग ने मंगलवार को इन प्रवासियों की स्थिति को लेकर और जानकारी देने की घोषणा की है।

उ. कोरिया ने अमेरिका एशियाई पड़ोसियों की योजनाएं बेतुकी बताई : सियोल, एजेंसी। उत्तर कोरिया ने उसके परमाणु कार्यक्रमों को रोकने को 'बेतुकी' योजना बताते हुए अमेरिका व अपने एशियाई पड़ोसी देशों की मंगलवार को आलोचना की। उसने कहा कि वह अपने नेता किम जोंग-उन के नेतृत्व में अपनी परमाणु ताकत का विस्तार करने का प्रयास जारी रखेगा। उत्तर कोरिया के विदेश मंत्रालय ने चेतावनी देते हुए कहा, यदि उसे लगेगा कि उसकी सुरक्षा खतरे में है तो वह अपने प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ 'निर्णायक जवाबी कार्रवाई' करेगा।

एक्स गर्लफ्रेंड से किसी और ने की बात, शख्स ने 1000 किलोमीटर की दूरी तय कर जला दिया घर

वाशिंगटन, एजेंसी। अपनी गर्लफ्रेंड के लिए कुछ भी कर गुजरने के मामले आपने पहले भी सुने होंगे। हालांकि अमेरिका के शख्स ने अपनी एक्स गर्लफ्रेंड के लिए ऐसा कुछ किया है, जिसे सुनकर आप भी हैरत में पड़ जाएंगे। इस शख्स को किसी लड़के का अपनी एक्स गर्लफ्रेंड से बात करना पसंद नहीं आया। इसके बाद उसने हजार किलोमीटर से ज्यादा की दूरी तय कर उस लड़के के घर को आग के हवाले कर दिया। जानकारी के मुताबिक उस वक्त घर में कम से कम छह लोग थे, जिन्हें बाद में बचा लिया गया। रिपोर्ट के मुताबिक इस आग में दो कुत्तों की मौत हो गई। वहीं छह घायल लोगों को इलाज के लिए स्थानीय अस्पतालों में ले जाया गया। पुलिस ने बताया है मिशिगन के इस शख्स को हत्या की कोशिश और दूसरे छह मामलों गिरफ्तार किया गया है। सोमवार को जारी किए गए बेन्सलेम पुलिस विभाग के बयान के मुताबिक पुलिस को 10 फरवरी को सुबह करीब 5 बजे पेंसिल्वेनिया के बेन्सलेम में एक घर में आग लगने की सूचना मिली। इमरजेंसी टीम और दमकलकर्मियों ने मौके पर पहुंचकर देखा कि दो मंजिला घर पूरी तरह से आग की लपटों में घिरा हुआ था जहां छह लोग किसी तरह से बाहर निकलने की कोशिश कर रहे थे। कुछ लोगों को जान बचाने के लिए खिड़कियों से कूदना पड़ा। पुलिस की जांच में बाद में यह बात सामने आई कि यह आग जानबूझकर लगाई गई थी। सीसीटीवी कैमरे में कैद वीडियो में एक शख्स किसी चीज को लेकर गाड़ी से निकालते, घर की ओर चला जाते और लगभग 15 मिनट बाद कार में वापस आता हुआ दिखा। संदिग्ध के इलाके से भागने के कुछ ही देर बाद घर में आग लगी। इसके बाद कार की पहचान कर पुलिस ने मिशिगन के ब्रायन जोन्स का पता लगा लिया।

पोप फ्रांसिस के दोनों फेफड़ों में निमोनिया, हालात गंभीर; रोम के अस्पताल में इलाज जारी

वेटिकन, एजेंसी। वेटिकन प्रमुख पोप फ्रांसिस के दोनों फेफड़ों में निमोनिया हो गया है। वेटिकन के मुताबिक, उनकी हालत लगातार गंभीर बनी हुई है। 88 साल के कैथलिक चर्च प्रमुख पिछले एक हफ्ते से फेफड़ों के इन्फेक्शन से जूझ रहे हैं। उन्हें शुक्रवार को रोम के अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति बोलसोनारो पर तख्तापलट की कोशिश का आरोप, 2022 में चुनाव हारे थे

ब्राज़िलिया, एजेंसी। ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जैर बोलसोनारो पर 2022 में चुनावी हार के बाद सत्ता में बने रहने के लिए तख्तापलट की साजिश रचने का आरोप लगाया गया है। मंगलवार को प्रोसीक्यूटर जनरल पाउलो गोनेट ने बोलसोनारो और 33 अन्य लोगों आरोप लगाए। आरोप है कि इस प्लान में वर्तमान राष्ट्रपति लूला डा सिल्वा को जहर देने और सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश एलेक्जांद्रे डी मोराइश की हत्या करने की साजिश करना शामिल था।

रवांडा समर्थित विद्रोहियों ने पूर्वी कांगो के तीसरे शहर पर किया हमला

दाकर, एजेंसी। रवांडा समर्थित विद्रोही संगठनों ने मंगलवार को पूर्वी कांगो के तीसरे शहर पर हमला किया है। विद्रोही संगठन पहले ही पूर्वी कांगो के दो प्रमुख शहरों पर कब्जा कर चुके हैं। गौरतलब है कि पूर्वी कांगो खनिजों के मामले में काफी धनी है और अहम वैश्विक तकनीक के लिए ये खनिज बेहद अहम हैं और इसी वजह से पूरी दुनिया की नजरें कांगो के हालात पर टिकी हुई हैं।

गोमा शहर पर कब्जे के दौरान मारे गए थे तीन हजार लोग : रवांडा समर्थित विद्रोही संगठन एम23 के उग्रवादियों ने मंगलवार को पूर्वी कांगो के प्रमुख शहर बुटेम्बो में कांगो सेना के ठिकानों पर हमला किया। करीब डेढ़ लाख की आबादी वाले इस शहर में हालात तेजी से बिगड़ रहे हैं और उग्रवादी संगठन तेजी से अपनी स्थिति को मजबूत कर रहे हैं। बीते महीने एम23 और अन्य उग्रवादी संगठनों ने पूर्वी कांगो के गोमा शहर पर कब्जा किया था। उस लड़ाई में करीब 3000 लोग मारे गए थे। बुटेम्बो और गोमा के बीच की दूरी करीब 210 किलोमीटर है। ऐसे में उग्रवादी संगठनों की लगातार मजबूत हो रही स्थिति का सहज अंदाजा लगाया जा सकता है। इसी हफ्ते विद्रोहियों ने पूर्वी कांगो के बुकावु शहर पर भी कब्जा कर लिया था। गौरतलब है कि इस क्षेत्र में सोने और कोल्टन के भंडार हैं। साथ ही मोबाइल फोन, लैपटॉप में इस्तेमाल होने वाले कैपिसेटर्स को बनाने में जिन खनिजों का इस्तेमाल होता है, उनके भी भंडार पूर्वी कांगो में मौजूद हैं। मंगलवार को विद्रोही गुटों ने कामनयोला शहर पर भी कब्जा कर लिया और अब विद्रोही गुटों के रणनीतिक रूप से अहम यूविरा शहर पर भी कब्जा करने की आशंका बढ़ गई है। विश्लेषकों का मानना है कि विद्रोही कांगो में राजनीतिक ताकत

हासिल करना चाहते हैं और इसी के तहत उन्होंने गोमा शहर पर कब्जे के बाद वहां अपना मेयर भी नियुक्त कर दिया है। साथ ही गोमा में जनगणना कराने का भी एलान कर दिया गया है। माना जा रहा है कि विद्रोही शहर पर अपना कब्जा बरकरार रखेंगे।

क्या है लड़ाई की वजह : 100 से ज्यादा विद्रोही संगठन मिलकर कांगो पर हमला कर रहे हैं। इनमें एक प्रमुख संगठन है एम23। इस संगठन में करीब चार हजार लड़ाके रवांडा के हैं। रवांडा का आरोप है कि साल 1994 में रवांडा के अल्पसंख्यकों तुत्सीस और उदारवादी हुतुस जनजाति के लोगों का नरसंहार किया गया और इस नरसंहार के पीछे कट्टरपंथी हुतु लोग शामिल थे। रवाडां का कहना है कि अब उन्हीं कट्टरपंथी हुतु जनजाति के लोगों को कांगो की सेना में भर्ती किया जा रहा है। रवांडा का कहना है कि वे तुत्सीस और उदारवादी हुतु लोगों की सुरक्षा के लिए कांगो में बदलाव लाना चाहता है और उसे एक असफल राष्ट्र से आधुनिक राष्ट्र बनाना चाहता है। हालांकि विश्लेषकों को रवांडा के इस दावे पर शक है और उनका कहना है कि रवांडा की नजरें कांगो के खरबों डॉलर की कीमत वाली खनिज संपदा पर है और रवांडा कांगो पर कब्जा कर उसकी खनिज संपदा का अपने फायदे के लिए दोहन करना चाहता है।

गाजा युद्ध विराम समझौते के अगले चरण को लागू करने के लिए तैयार : हमास

गाजा, एजेंसी। हमास ने गाजा युद्ध विराम समझौते के दूसरे और तीसरे चरण को लागू करने की अपनी इच्छा जाहिर की। फिलिस्तीनी ग्रुप ने गाजा छोड़ने की इजरायली मांग भी नकार दी। हमास के प्रवक्ता हजम कासिम ने एक बयान में कहा कि समूह मध्यस्थ के अनुरोध पर रिहा किए जाने वाले इजरायली बंधकों की संख्या को दोगुना करने पर सहमत है, जो समझौते के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

सिन्हुआ समाचार एजेंसी के मुताबिक कासिम ने हमास को गाजा छोड़ने की इजरायली मांगों को खारिज करते हुए इसे %मनोवैज्ञानिक युद्ध% का हिस्सा बताया। उन्होंने जोर देकर कहा कि हमास इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की इस मांग को स्वीकार नहीं करेगा कि समूह निरस्त्र हो जाए और उसके नेताओं को गाजा से निकाल दिया जाए। इससे पहले इजरायल के सार्वजनिक प्रसारक ने बताया कि नेतन्याहू ने युद्ध विराम समझौते के दूसरे चरण के लिए बातचीत शुरू करने का

आधिकारिक तौर पर फैसला किया और अपने फैसले के बारे में सुरक्षा कैबिनेट को सूचित किया।

इससे पहले शनिवार को हमास और इजरायल ने बंधकों के बदले कैदियों की छठी अदला-बदली पूरी की। इस अदला-बदली में हमास ने गाजा में बंधक बनाए गए तीन और इजरायली बंधकों को रिहा किया, जबकि इजरायली अधिकारियों ने 369 फिलिस्तीनी कैदियों और बंदियों को रिहा किया। 19 जनवरी से प्रभावी और छह सप्ताह तक चलने वाले संघर्ष विराम समझौते के पहले चरण के तहत, लगभग 2,000 फिलिस्तीनियों के बदले में 33 इजरायली बंधकों को रिहा किए जाने की उम्मीद है।

अब तक, 19 इजरायली बंधकों के साथ-साथ पांच थाई लोगों को गाजा से रिहा किया जा चुका है, जबकि इजरायली अधिकारियों ने 1,000 से अधिक फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा किया है। इजरायल और हमास को फरवरी की शुरुआत में दूसरे चरण की बातचीत शुरू करनी थी। हमास ने 4 फरवरी को एक बयान में कहा कि उसने अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थों के साथ चर्चा शुरू कर दी है, जबकि नेतन्याहू के प्रवक्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि इजरायल ने अभी तक दूसरे चरण की बातचीत शुरू नहीं की। समझौते के दूसरे चरण में शेष बंधकों की रिहाई, फिलिस्तीनी क्षेत्र से इजरायली सेना की पूर्ण वापसी और स्थायी युद्धविराम के कार्यान्वयन पर ध्यान केंद्रित किया जाना है।

जापानी प्रधानमंत्री पर हमला करने वाले को 10 साल सजा

टोक्यो, एजेंसी। जापान के पूर्व प्रधानमंत्री फोमियो किशिदा पर हमले के दोषी शख्स को 10 साल की सजा सुनाई गई है। बुधवार को वाकायामा जिला अदालत ने सजा का ऐलान किया। हमलावर का नाम रयूजी किमुरा (25) है,उसे 5 आरोपों में दोषी ठहराया गया है। उसने 15 अप्रैल 2023 को वाकायामा शहर में एक चुनावी रैली के दौरान किशिदा पर एक स्मोक बम फेंका था। हमले में किशिदा बच गए थे, लेकिन 2 अन्य लोग घायल हुए थे। किमुरा को पुलिस ने मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया था। उसके बैग से एक चाकू भी बरामद किया गया था। फरवरी की शुरुआत में मुकदमे की सुनवाई के दौरान, किमुरा ने हत्या की कोशिश के आरोप से इनकार किया था। उसने दावा किया कि उसका इरादा किशिदा को मारने का नहीं था।

प्रधानमंत्री किशिदा निचले सदन के उपचुनाव के लिए कैंपेन कर रहे थे : जापान टाइम्स के मुताबिक किशिदा वाकायामा शहर में एक इलेक्शन रैली में भाषण देने पहुंचे थे। स्थानीय समयानुसार धमाका 15 अप्रैल सुबह 11~30 बजे हुआ। इसके बाद करीब 1 बजे प्रधानमंत्री किशिदा ने वाकायामा शहर में अपनी स्पीच पूरी की। उन्होंने कहा- हम इलेक्शन कैंपन के बीच मौजूद हैं। हमें इसे जारी

रखना चाहिए। 2022 में रैली के दौरान ही शिंजो आबे पर हैंडमेड गन से हमला हुआ था जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की 8 जुलाई 2022 को रैली में गोली मारकर हत्या की गई थी। वे आबे नारा शहर में इलेक्शन कैंपेन के दौरान स्पीच दे रहे थे। उसी दौरान 42 साल के हमलावर ने पीछे से फायरिंग की थी। उन पर कैमरे जैसी दिखने वाली हैंडमेड गन से हमला किया गया था। फायरिंग के बाद आई फोटो से इसका खुलासा हुआ था। हमलावर ने गन को इस तरह डिजाइन किया था कि वह कैमरे जैसी दिखे। इसके लिए उसने गन पर काली पॉलीथिन को लपेटा था। हमलावर फोटो खींचने के बहाने आबे के करीब आया था। फिर उसने दो गोलियां चलाई थीं।

भारत ने पाकिस्तान को सुनाई खरी-खरी, बताया आतंक का गढ़, कहा- हम जैश जैसे संगठनों की दहशतगर्दी से रहे त्रस्त

न्यूयॉर्क, एजेंसी। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में कहा कि वह पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद का शिकार रहा है। पाकिस्तान की धरती से चलने वाले जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) जैसे आतंकी संगठनों ने भारत में कई आतंकी हमले किए हैं। भारत के स्थायी प्रतिनिधि (अंबेसडर) परवथानेनी हरीश ने पाकिस्तान को आतंकवाद का वैश्विक केंद्र बताया और कहा कि पाकिस्तान में 20 से ज्यादा संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की तरफ से प्रतिबंधित आतंकी संगठन मौजूद हैं। इसके बावजूद जब पाकिस्तान खुद को आतंकवाद के खिलाफ लड़ने वाला देश बताता है, तो यह सबसे बड़ी विडंबना होती है।

पाक ने फिर अलापा जम्मू-कश्मीर का राग : भारत की तरफ से यह बयान तब आया जब पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री मोहम्मद इशाक डार ने भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाया। इस पर भारत ने कड़ा जवाब देते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा है और रहेगा। इस पर पी. हरीश ने कहा कि आतंकवाद का कोई भी कारण या मकसद स्वीकार्य नहीं हो सकता। निर्दोष लोगों पर हमला किसी भी तरह से जायज नहीं ठहराया जा सकता। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान झूठ और गलत जानकारी फैलाने की कोशिश करता है, लेकिन इससे सच्चाई नहीं बदलती। उन्होंने कहा कि जैश-ए-मोहम्मद और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे आतंकी संगठनों ने भारत में कई हमलों को अंजाम दिया है। पाकिस्तान इन्हें सीमा पार से समर्थन देता है, जिससे भारत में हिंसा फैलती है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में कई आतंकी संगठन और व्यक्ति संयुक्त राष्ट्र

सुरक्षा परिषद की 1267 अल-कायदा प्रतिबंध समिति की सूची में शामिल हैं, जिन पर संपत्ति जब्त करने, हथियारों की आपूर्ति रोकने और यात्रा प्रतिबंध लगाने का प्रावधान है।

भारत ने जम्मू-कश्मीर में हाल ही में हुए चुनाव का दिया हवाला : भारत ने यह भी कहा कि जम्मू-कश्मीर में हाल ही में चुनाव हुए, जिसमें लोगों ने बड़ी संख्या में मतदान किया और अपनी सरकार चुनी। भारत के स्थायी प्रतिनिधि ने पाकिस्तान पर निशाना साधते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र मजबूत और जीवंत है, जबकि पाकिस्तान में ऐसा नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि वास्तव में पाकिस्तान खुद जम्मू-कश्मीर के कुछ हिस्सों पर अवैध कब्जा किए हुए है और वहां के हालात खराब हैं। इसके साथ ही भारत ने साफ कर दिया कि आतंकवाद के मामले में कोई भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को अच्छे और बुरे आतंकवादियों के बीच अंतर नहीं करना चाहिए।

चैम्पियंस ट्रॉफी में आज होगा दक्षिण अफ्रीका और अफगानिस्तान में मुकाबला

कराची (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका की टीम का पहला मुकाबला आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट के ग्रुप बी में में शुक्रवार को अफगानिस्तान से होगा। इस मैच में दक्षिण अफ्रीका जीत की प्रबल दावेदार है पर अफगानिस्तान टीम भी उलटफेर का पूरा प्रयास करेगी। अफगान टीम के पास कई अच्छे खिलाड़ी हैं जो दक्षिण अफ्रीका के लिए परेशानी खड़ी कर सकते हैं। दक्षिण अफ्रीका की टीम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के टूर्नामेंट में कई बार दबाव में रहती है जिसका लाभ अफगानिस्तान को मिल सकता है। दक्षिण अफ्रीका की टीम में कई दिग्गज खिलाड़ी रहे हैं वह बेहद संतुलित दिख रही है और उसकी बल्लेबाजी काफी अच्छी है। दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाजी कप्तान टेम्बा बावुमा, टोनी डी जोरजी, रासी वैन डेर डुसेन और एडेन मार्करम के अलावा हेनरिक क्लासेन, डेविड मिलर और ट्रिस्टन स्टब्स पर आधारित रहेगी।

दक्षिण अफ्रीकी टीम की गेंदबाजी इस बार पहले की तरह नहीं है उसके तेज गेंदबाज एनरिक नोर्किया, नांद्रे बर्गर और गेराल्ड कोएत्जी चोटिल होने के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं जिससे उसकी मुश्किलें बढ़ गयी हैं। ऐसे में अनुभवी तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा को अतिरिक्त जिम्मेदारी निभानी होगी। इसके अलावा मार्को यानसन और लुंगी एनगिडी को भी उनका अच्छी तरह से साथ देना होगा। स्पिन की जिम्मेदारी केशव महाराज और तबरेज शम्सी पर रहेगी।

दक्षिण अफ्रीका की टीम का प्रदर्शन हाल में अच्छा नहीं रहा है। उसने एकदिवसीय विश्व कप 2023 के बाद जो 14 एकदिवसीय खेले हैं उनमें से उसे केवल चार मैच में ही जीत मिली। वह लगातार छह मैच में हार के साथ इस टूर्नामेंट में उतर रही है।

वहीं दूसरी ओर अफगानिस्तान ने हाल में आईसीसी प्रतियोगिताओं में अच्छा प्रदर्शन किया है। उसने एकदिवसीय विश्व कप 2023 में इंग्लैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका को हराया और पिछले साल टी20 विश्व कप के सेमी फाइनल में स्थान बनाया था।

अफगानिस्तान ने कई बार बड़ी टीमों को हराकर दिखाया है कि उसे कम आंकना ठीक नहीं होगा। अफगानिस्तान के पास स्टार स्पिनर राशिद खान, मोहम्मद नबी और बाएं हाथ के नूर अहमद और नांगेयालिया खारोटे जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। टीम की तेज गेंदबाजी अजमतुल्लाह उमरजई के अलावा फ़ज़लहक फ़ारूकी पर निर्भर करेगी। वहीं बल्लेबाजी की कमान रहमानुल्लाह गुरबाज और इब्राहिम जादरान पर आधारित रहेगी। अफगानिस्तान की कमजोर मध्यक्रम का विफल होना है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

दक्षिण अफ्रीका = टेम्बा बावुमा (कप्तान), टोनी डी ज़ोरज़ी, मार्को यानसन, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, एडेन मार्करम, डेविड मिलर, वियान मुल्डर, लुंगी एनगिडी, कैगिसो रबाडा, रयान रिकेल्टन, तबरेज़ शम्सी, ट्रिस्टन स्टब्स, रासी वैन डेर डुसेन, कॉर्बिन बॉश।

अफगानिस्तान =हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), इब्राहिम जादरान, रहमानुल्लाह गुरबाज, सेदिकुल्लाह अटल, रहमत शाह, इकराम अलीखिल, गुलबदीन नायब, अजमतुल्ला उमरजई, मोहम्मद नबी, राशिद खान, नांग्याल खरोती, नूर अहमद, फजलहक फारूकी, फरीद मलिक, नवीद जादरान।

शमी एकदिवसीय में सबसे तेज 200 विकेट लेने वाले दूसरे गेंदबाज बने

दुबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे तेजी से 200 विकेट लेने वाले दूसरे गेंदबाज बने हैं। शमी ने मामले में पाकिस्तान के सकलैन मुश्ताक और न्यूजीलैड के ट्रेंट बोल्ट से आगे निकल गए हैं। इस सूची में पहले स्थान पर मिशेल स्टार्क हैं। जहां तक गेंदों के मामले में 200 विकेट का सवाल है तो शमी ने सभी को पीछ छोड़ा है। वह सबसे कम 105 मैचों में 200 एकदिवसीय विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बन गए हैं। इस मामले में भी मिशेल स्टार्क 102 मैच के साथ ही पहले नम्बर पर हैं। इतना ही नहीं शमी आईसीसी टूर्नामेंट्स में भारत के लिए सर्वाधिक विकेट विकेट लेने वाले खिलाड़ी भी बन गए हैं। वहीं पाक के सकलेन ने 104 मैचों में 200 विकेट लिए हैं।

सबसे कम गेंदों में 200 एकदिवसीय विकेट के मामले में भी शमी नंबर एक पर हैं1 उन्होंने 200 विकेट के लिए 5126 गेंदें फेंकी हैं जबकि मिशेल स्टार्क ने 5240 और सकलैन मुश्ताक ने 5451 गेंदें फेंकी हैं।

आईसीस टूर्नामेंट में भारत की ओर से सबसे अधिक 72 विकेट शमी ने जबकि दूसरे नंबर पर 71 विकेट जहीर ने लिए हैं। वहीं जसप्रीत बुमराह ने 68 विकेट लिए हैं।

डिविलियर्स का आरसीबी ने सही तरीके से उपयोग नहीं किया: मांजरेकर

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर अपने विवादित बयानों के कारण चर्चओं में बने रहते हैं। अब उन्होंने कहा है कि दक्षिण अफ्रीका के स्टार बल्लेबाज रहे एबी डिविलियर्स ने आईपीएल में गलत टीम से खेला था। डिविलियर्स ने शुरुआत में दिल्ली डेयरडेविल्स के लिए आईपीएल में तीन सत्र खेले थे। वहीं 2011 की आईपीएल मेगा ऑक्शन में वह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) में शामिल हुए और 2021 में अपने करियर को अलविदा कहने तक उसकी ओर से ही खेलते रहे।

डिविलियर्स ने 184 आईपीएल मैचों में 5162 रन बनाए लेकिन कभी टीम को आईपीएल खिताब नहीं जिता पाये। उन्होंने 2011 और 2016 में आरसीबी के साथ आईपीएल फाइनल खेला पर दोनों बार टीम हार गयी। 14 साल के अपने आईपीएल करियर में खिताब न जीतने के बावजूद डिविलियर्स आईपीएल में खेलने वाले सबसे बड़े क्रिकेटरों में से एक हैं। मांजरेकर के अनुसार डिविलियर्स का आरसीबी ने सही तरीके से उपयोग नहीं किया। मांजरकेर का कहना है कि डिविलियर्स को टॉप आर्डर में आना चाहिए था और उन्होंने यह भी कहा कि एबी ने गलत फ्रेंचाइजी के लिए खेला।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु तीन बार ट्रॉफी के करीब पहुंची, 2009, 2011 और 2016 में, लेकिन वे फाइनल में हार गए। ट्रॉफी के सूखे के बावजूद, आरसीबी अतीत में कई महान बल्लेबाजों का घर रहा है जो मैच विनर से कम नहीं हैं। चाहे वह केएल राहुल हो, शेन वॉटसन हो, क्रिस गेल हो, ब्रेंडन मैकुलम हो या एबी डिविलियर्स, आरसीबी ने हमेशा अपने रैंकों में आक्रामक बल्लेबाजों की विलासिता का आनंद लिया है जो खेल को विपक्ष से दूर ले जा सकते हैं, लेकिन उनका खिताब का सूखा जारी है।

महिला प्रीमियर लीग: मुंबई के खिलाफ जीत की हैट्रिक लगाने उतरेगी आरसीबी

बेंगलुरु (एजेंसी)। लगातार जो मैच में जीत से उत्साहित रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम शुक्रवार को यहां अपने घरेलू मैदान पर मुंबई इंडियंस के खिलाफ विजय अभियान जारी रखकर महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में जीत की हैट्रिक लगाना चाहेगी। आरसीबी ने टूर्नामेंट में अभी तक शानदार प्रदर्शन किया है। उसने पहले मैच में गुजरात जॉइंट्स के खिलाफ 200 से अधिक रन का लक्ष्य हासिल किया था और इसके बाद दिल्ली कैपिटल्स को भी आसानी से हराया था।

स्मृति मंधाना की अगुवाई वाली टीम के चार अंक हैं और वह अंक तालिका में शीर्ष पर काबिज है। टूर्नामेंट में किसी भी अन्य टीम ने अभी तक अपने सभी मैच नहीं जीते हैं। आरसीबी की टीम को चिन्नास्वामी स्टेडियम में दर्शकों का अपार समर्थन मिलना तय है। इस मैच में सभी की निगाहें मंधाना पर टिकी रहेंगी जिन्होंने दिल्ली के खिलाफ पिछले मैच में 47 गेंद पर 81 रन की तूफानी पारी खेली थी।

भारतीय टीम की उप-कप्तान मंधाना इस समय बेहतरीन फॉर्म में चल रही हैं और मुंबई के गेंदबाजों को उन पर अंकुश लगाने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने होंगे। आरसीबी की तरफ से मंधाना के अलावा एलिसे पेरी, राघवी बिष्ट, ऋचा घोष और युवा कनिका आहूजा ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है। आरसीबी हालांकि अपने गेंदबाजी विभाग को लेकर थोड़ा चिंतित होगा क्योंकि उसके गेंदबाज अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं।

मुंबई की टीम बेहद मजबूत है और उसे हराना आसान नहीं होगा। पिछले मैच में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ नैट साइवर-ब्रंट की बेजोड़ बल्लेबाजी (59 गेंदों में 80 रन) और हरमनप्रीत के साथ उनकी 73 रन की साझेदारी के बावजूद टीम को हार का सामना करना पड़ा था और अब हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम दमदार वापसी करने के लिए प्रतिबद्ध होगी।

टीम इस प्रकार है

मुंबई इंडियंस = हरमनप्रीत कौर (कप्तान), यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), नादिन डी क्लार्क, संस्कृति गुप्ता, साइका इशाक, शबनीम इस्माइल, जिन्तिमनी कलिता, जी कमलिनी, अमनदीप कौर, अमनजोत कौर, सत्यमूर्ति कीर्तन, अमेलिया केर, अक्षिता माहेश्वरी, हेले मैथ्यूज, सजीवन सजना, नट साइवर-ब्रंट, पारुनिका सिसौदिया, क्लो ट्राईटन।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु = स्मृति मंधाना (कप्तान), कनिका आहूजा, एकता बिष्ट, चार्ली डीन, किम गार्थ, ऋचा घोष, हीदर ग्राहम, वीजे जोशिता, सब्बिनेनी मेघना, नुजहत परवीन, जाग्रवी पवार, एलिसे पेरी, राघवी बिस्ट, स्नेह राणा, प्रेमा रावत, रेणुका सिंह, जॉर्जिया वेयरहम, डैनी व्याट-हॉज।

रिजवान ने हार के लिए बल्लेबाजों और गेंदबाजों को जिम्मेदार बताया

मुम्बई। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान मोहम्मद रिजवान ने आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के पहले ही मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ मिली 60 रनों की करारी हार के लिए अपने बल्लेबाजों और गेंदबाजों को दोष दिया है। इस मैच में न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 320 रन बनाये और मेजबानों को जीत के लिए 321 रनों का लक्ष्य दिया था जिसका पीछा करते हुए पाक टीम 47.2 ओवर में 260 रन ही बना पायी। रिजवान के अनुसार मैच में उनकी टीम ने दो बार लय खोई जिस वजह से न्यूजीलैंड को उन पर हावी होने का अवसर दिया। रिजवान ने मैच के बाद कहा, 'उन्होंने अच्छा लक्ष्य दिया, हमें इसकी उम्मीद नहीं थी। हम 260 के आसपास के स्कोर की उम्मीद कर रहे थे। हमने अपना सबसे अच्छा प्रदर्शन किया पर विरोधी टीम ने अच्छा खेला। हम पिच की स्थिति देखते हैं, पहले पिच पर बल्लेबाजी करना आसान नहीं था। वहीं जब विल यंग और लेथम ने साथ मिलकर बल्लेबाजी की तो यह आसान हो गया। अंत में हमने त्रिकोणीय सीरीज के फाइनल की तरह ही गलती की और उन्होंने अच्छा लक्ष्य बनाया।' 321 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने धीमी शुरुआत दी, उन्होंने इस मैच में 90 गेंदों का सामना करते हुए 6 चौकों और 1 छक्के की सहायता से केवल 64 रन बनाए। बाबर की इस धीमी पारी की वजह से दूसरे बल्लेबाजों पर दबाव पड़ा जिस वजह से टीम तेजी से बन बनाने के प्रयास में विकेट गंवाती रही।

एलएसजी का रुख आईपीए में आक्रामक रहेगा : जहीर

नई दिल्ली। लखनऊ सुपर जाइंट्स (एलएसजी) टीम के मेंटर जहीर खान ने कहा है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में लखनऊ सुपरजायंटस के पास बाएं हाथ के कई बल्लेबाज हैं। पिछले साल की मेगा नीलामी के दौरान लखनऊ ने पांच बाएं हाथ के बल्लेबाजों को खरीदा है। इसमें से तीन को अंतिम ग्यारह में जगह मिल सकती है। ऋषभ पंत, निकोलस पूरन और डेविड मिलर शुरुआत में उतरेंगे। साथ ही कहा कि तीन बाएं हाथ के बल्लेबाजों के होने से टीम का रुख आक्रामक रहेगा। जहीर के अनुसार इतने बांए हाथ के खिलाड़ी रखना टीम की रणनीति भी हो सकती है। एलएसजी ने इस सत्र के लिए ऋषभ को कप्तान बनाया है। 2016 में दिल्ली डेयरडेविल्स की कप्तानी करने वाले जहीर ने ऋषभ को देखा है और उनके साथ काम किया है। पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज के अनुसार ऋषभ ऐसे व्यक्ति हैं जो पूरी टीम को प्रेरित कर सकते हैं और क्रिकेट का एक ऐसा ब्रांड स्थापित कर सकते हैं जिसे एलएसजी खेलना चाहता है। उन्होंने कहा कि सीजन में उस माहौल को बनाने और किसी भी टीम के लिए सफलता के स्तंभ तैयार करने के लिए कप्तान की भूमिका अहम होती है। जिसमें वह सक्षम हैं। जहीर ने कहा, यह सामरिक बढ़त भी हो सकती है। हम इसे इसी तरह से देख रहे हैं। मैंने यह नहीं देखा है कि मैं टीम में कितने बाएं हाथ के खिलाड़ियों को चाहता हूं। जब तक आपके पास संतुलन है, आपके पास टीम में विकल्प हैं और आपके पास सभी विकल्प हैं, तब तक यह ठीक है। जब मैं अपनी टीम को देखता हूं, तो यह एक मजबूत इकाई की तरह दिखती है।

हैट्रिक नहीं बना पाये आक्षर , रोहित के हाथ से फिसला कैच

दुबई (एजेंसी)। भारतीय टीम के स्पिनर अक्षर पटेल बांग्लादेश के खिलाफ चैम्पियंस ट्रॉफी मैच के दौरान हैट्रिक बनाने से रह गये। अक्षर की गेंद पर भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कैच छोड़ दिया जिससे अक्षर की हैट्रिक नहीं हो पायी। । रोहित इससे इतने निराश हुए कि मैदान पर जोर-जोर से हाथ पटकते दिखे। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिय में आया है।

इस मैच में बांग्लादेश ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी शुरु की। 9वें ओवर में अक्षर गेंदबाजी के लिए आये। उन्होंने ओवर की दूसरी गेंद पर ही तनजीद हसन को और तीसरी गेंद पर मुश्फिकुर रहीम को पेवेलियन भेज दिया। दोनों ही बार के कैच विकेटकीपर केएल राहुल ने लिए। अक्षर को ओवर की चौथी गेंद पर हैट्रिक मिल सकती थी। जकर अली ने उनकी गेंद पर शॉट लगाने का प्रयास किया पर गेंद स्लिप में फिल्डिंग कर रहे रोहित के हाथों से टकरा कर निकल गयी। रोहित ने गेंद को अंत तक पकड़ने का प्रसाय किया पर वह फिसल गयी।

नीरज के पास है एक से बढ़कर एक हाई-परफॉरमेंस लक्जरी कारें

नई दिल्ली। भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा खेल के साथ ही हाई-परफॉरमेंस लक्जरी कारों के भी शौकीन हैं। नीरज के पास एक से बढ़कर एक कारों का काफिला है। नीरज के इस बेडे में हाल ही में ऑडी की आरएस क्यू-8 परफॉर्मेंस कार शामिल हुई है। उनके पास पहले से ही मस्टैंग और कई टोयोटा फॉर्च्यूनर जैसी कारें हैं। नीरज की आरएस क्यू-8 कार एक हाई-परफॉरमेंस एसयूवी और पहियों पर चलने वाली एक पावरहाउस है! ये कार 305 किमी/घंटा की टॉप स्पीड के साथ सड़कों पर दौड़ सकती है! वहीं, यह केवल 3.6 सेकेंडो में 0-100 किमी/घंटा की गति पकड़ लेती है! ऑडी की ओर से आने वाली इस कार के बेस मॉडल की कीमत 2.5 करोड़ रुपये है पर कस्टमाइजेशन के बाद, नीरज के वर्जन की कीमत लगभग 3 करोड़ रुपये हैं। नीरज ने जो कार डिजाइन कराई है उसमें उनकी पसंद की हर चीज का ध्यान रखा है। अपनी इस नई कार के बारे में बात करते हुए नीरज ने कहा, 'मुझे कारें बहुत पसंद हैं. कड़ी मेहनत की वजह से ही मैं उन्हें खरीद पाया हूं। मेरा सपना सच हो गया। मैं और मेरा परिवार एक घर चाहते थे। यह बहुत अच्छी बात है कि अब हमारे पास एक घर है। हमारे सपने हकीकत में बदल रहे हैं।' रफ्तार और लग्जरी के शौकीन नीरज चोपड़ा के पास महंगी और लग्जरी गाड़ियों का शानदार कलेक?शन है। इनमें कस्?टमाइज्?ड महिंद्रा एक?सयूवी 700 शामिल है वहीं उनके पास एक महिंद्र थार भी है जिसकी कीमत लगभग 17 लाख रुपए है।उनकी सबसे महंगी गाड़ियों में रेंज रोवर शामिल हैं जिसकी कीमत लगभग 2 करोड़ रुपये है। नीरज के पास 33 लाख रुपए की टोयोटा फॉर्चूनर है। वहीं मस्?टैंग जीटी की कीमत 93.52 लाख शामिल हैं। इसके अलावा उनरके पास जगुआर एफ-पेस और मर्सिडीज -बेंज जीएलसी एक लग्जरी एससूवी है. इसकी कीमत 57.36 - 63.15 लाख रुपए है।

एक बार फिर रोहित शर्मा की खराब किस्मत, टीम इंडिया के नाम दर्ज हुआ ये शर्मनाक रिकॉर्ड

दुबई (एजेंसी)। मौजूदा समय में भारत और बांग्लादेश के बीच दुबई में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का मुकाबला खेला जा रहा है। लेकिन रोहित शर्मा की टॉस के मामले में अभी भी किस्मत रूठी हुई है। दरअसल, वर्ल्ड कप 2023 फाइनल में टीम इंडिया को हार मिली थी। उस टूर्नामेंट में रोहित शर्मा टीम इंडिया के कप्तान थे, तब से अब तक वनडे इंटरनेशनल क्रकिट में भारतीय टीम एक भी टॉस नहीं जीत पाई है। बांग्लादेश के खिलाफ आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लीग मैच में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा एक बार फिर से टॉस हार गए और इस तरह एक शर्मनाक रिकॉर्ड टीम इंडिया के नाम दर्ज हो गया।

बता दें कि, वर्ल्ड कप 2023 के बाद से ज्यादातर मैचों में रोहित शर्मा कप्तान रहे हैं, लेकिन एक सीरीज में केएल राहुल भी कप्तान थे, लेकिन किस्मत वहां भी टीम इंडिया के हक में नहीं रही। भारत ने आखिरी बार वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में टॉस वर्ल्ड कप 2023 के सेमीफाइनल में जीता था। इसके बाद फाइनल में भारत फिर टॉस हारा और इसके बाद कभी भी भारतीय टीम वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में टॉस नहीं जीत पाई है। भारत 11 मैचों में टॉस हार चुका है औरये किसी भी टेस्ट प्लेइंग नेशन के लिए शर्मनाक रिकॉर्ड है। ये शर्मनाक वर्ल्ड रिकॉर्ड की भी बराबरी हो चुकी है। हालांकि, टॉस हारने के इस शर्मनाक रिकॉर्ड के बीच भारत ने ज्यादातर मैच में जीत हासिल की है। टीम इंडिया ने इस शर्मनाक वर्ल्ड रिकॉर्ड के मामले में नीदरलैंड की बराबरी कर ली है। भारत और नीदरलैंड ने एक टीम के रूप में अब संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा बार वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में लगातार टॉस हारे हैं। मार्च 2011 और अगस्त 2013 के बीच नीदरलैंड की टीम ने 11 टॉस वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में हारे थे। वहीं, टीम इंडिया ने नवंबर 2023 से फरवरी 2025 तक भारतीय टीम भी इतनेही मैचों में टॉस गंवा चुकी है।

फीडे महिला ग्रां प्री शतरंज : हंपी की धमाकेदार जीत, हरिका को दी मात

मोनाको। फीडे महिला ग्रां प्री के तीसरे चरण के पहले दौर में कोनेरू हम्पी और हरिका द्रोणावल्ली के बीच मुकाबला भारतीय प्रशंसकों के लिए बेहद रोमांचक रहा। भारतीय ग्रैंडमास्टर कोनेरू हंपी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी हमवतन हरिका द्रोणावल्ली को मात दी। इस जीत के साथ हंपी ने टूर्नामेंट की मजबूत शुरुआत की, जबकि हरिका को पहले ही दौर में हार का सामना करना पड़ा। खेल की शुरुआत चार नाइट्स रुई लोपेज़ ओपनिंग से हुई, जिसमें दोनों खिलाड़ियों ने संतुलित अंदाज में खेला। मिडलगेम तक खेल बराबरी पर था, लेकिन समय के दबाव में हरिका ने कुछ गलतियां कीं, जिसका हंपी ने पूरा फायदा उठाया। 41वीं चाल पर हरिका ने गलत योजना अपनाई और इसके बाद हंपी ने मैच को अपनी तरफ मोड़ दिया। पहले दौर के अन्य परिणामों में रूस की कटेरिना लागनो नें हमवतन अलेक्ज़ेंड्रा गोरयाचकिना को , मंगोलिया की मंगुन्तूल बटखुयाग नें स्विट्जरलैंड की अलेक्ज़ेंड्रा कोस्टेनियुक को पराजित किया जबकि कजाकिस्तान की बिबिसारा असौबायेवा से स्पेन की सरासादात खादेमालशरीह से , जर्मनी की एलिसाबेथ पैहत्ज़ नें चीन की झोंगयी तान से बाजी ड्रॉ खेली । अगले दौर में हरिका की टक्कर सरासादात खादेमालशरीह से होगी, जबकि हंपी कोनेरू एलिसाबेथ पैहत्ज़ के खिलाफ उतरेंगी। हंपी के लिए यह टूर्नामेंट विश्व चैंपियनशिप साइकिल में अपनी दावेदारी मजबूत करने का शानदार मौका है।

लक्ष्य का पीछा करने में सचिन से विराट को बेहतर मानते हैं सहवाग

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग का मानना है कि एकदिवसीय में लक्ष्य का पीछा करने में सचिन तेंदुलकर की तुलना में विराट कोहली बेहतर है। तेंदुलकर को दूसरे नंबर पर रखने पर सहवाग ने कहा कि क्रिकेट जगत एकदिवसीय क्रिकेट में कोहली जैसा निरंतरता वाला खिलाड़ी शायद ही दूसरा देख पाएगा। शुरुआत में, वह वह विराट कोहली नहीं थे जो वह आज हैं। उन्होंने अपना समय लिया और बहुत कुछ सीखा। और 2011-12 के बाद, वह बहुत बदल गए हैं। अपनी फिटनेस में और अपनी निरंतरता में उन्होंने अद्भुत पारियां खेली हैं।

सहवाग ने ऐसे शीर्ष पांच बल्लेबाजों की सूची में वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज क्रिस गेल को पांचवें नंबर पर रखा है जबकि एकदिवसीय प्रारूप में गेल के 304 मैचों में 10480 रन हैं। उन्होंने कहा कि गेल एक महान बल्लेबाज और सलामी बल्लेबाज थे। मुझे याद है कि भारत 2002-03 में वेस्टइंडीज आया था और क्रिस गेल ने 6 मैचों की श्रृंखला में तीन शतक लगाए थे। वह पहले खिलाड़ी थे जिन्हें मैंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देखा था जो तेज गेंदबाजों के लिए बैकफुट पर आकर छक्के मारते थे।

वहीं नंबर 4 स्थान दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स को दिया गया, जिन्होंने अपने करियर के दौरान 228 एकदिवसीय मैचों में 9577 रन बनाए। उनके बाद पाकिस्तान के पूर्व कप्तान इंजमाम-उल-हक हैं जिन्होंने 350 पारियों में 11739 रन बनाए हैं। सहवाग ने कहा कि नंबर 4 पर एबी डिविलियर्स हैं। वह जिस तरह से खेलते थे वह मुझे बहुत पसंद आया। वह एकमात्र बल्लेबाज हैं जो असंतुलित होकर छक्के मार सकते हैं। नंबर 3 पर इंजमाम-उल-हक हैं। वह एशिया के सर्वश्रेष्ठ वनडे खिलाड़ियों में से एक हैं। इंजमाम नंबर 4 पर बल्लेबाजी करने आते थे और मैच को नियंत्रित करते थे। इसलिए, मैंने उनसे सीखा कि मैच को अंत तक कैसे ले जाना है।

खासी मांग है देश के साथ-साथ विदेशों में भी

मेडीकल लैब टैक्नीशियन की

"मेडीकल लैब टैक्नीशियन, डाक्टरों के निर्देश पर काम करते हैं। उपकरणों के रख-रखाव और कई तरह के काम इनके जिम्मे होता है। लैबोरेटरी में नमूनों की जांच और विश्लेषण में काम आने वाला घोल भी लैब टैक्नीशियन ही बनाते हैं। इन्हें मेडीकल साइंस के साथ-साथ लैब सुरक्षा नियमों और जरूरतों के बारे में पूरा ज्ञान होता है। लैब टैक्नीशियन नमूनों की जांच का काम करते हैं, लेकिन वे इसके परिणामों के विश्लेषण के लिए प्रशिक्षित नहीं होते।"

नमूनों के परिणामों का विश्लेषण पैथोलॉजिस्ट या लैब टैक्नोलॉजिस्ट ही कर सकता है। जांच के दौरान एम.एल.टी. कुछ सैम्पलों को आगे की जांच या फिर जरूरत के अनुसार उन्हें सुरक्षित भी रख लेता है। एम.एल.टी. का काम बहुत ही जिम्मेदारी और चुनौती भरा होता है। इसमें धैर्य और निपुणता की बड़ी आवश्यकता होती है। जमा किए गए डाटा की सुरक्षा और गोपनीयता की भी जिम्मेदारी उसकी होती है।

मेडीकल लैब टैक्नोलॉजिस्ट में सर्टीफिकेट डिप्लोमा, डिग्री एवं मास्टर्स के दौरान बेसिक फिजियोलॉजी, बेसिक बायोकैमिस्ट्री एंड ब्लड बैंकिंग, एनाटोमी एंड फिजियोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, पैथोलॉजी, एनवायरनमैंट एंड बायोमैडीकल वेस्ट मैनेजमैंट, मैडीकल लैबोरेटरी टैक्नोलॉजी एवं अस्पताल प्रशिक्षण दिया जाता है।

सर्टीफिकेट इन मैडीकल लैब टैक्नोलॉजी (सी.एम.एल.टी.) छह महीने का कोर्स है जिसके लिए योग्यता है 10वीं पास। वहीं डिप्लोमा इन मैडीकल लैब टैक्नोलॉजी के लिए 12वीं पास होना जरूरी है। इस कोर्स की अवधि है एक वर्ष। 12वीं प्रमुख विषय के रूप में फिजिक्स, कैमिस्ट्री और बायोलॉजी (पी.सी.बी.) तथा फिजिक्स, कैमिस्ट्री या मैथ्स (पी.सी.एम.) के साथ पास होना अनिवार्य है।

बी.एससी. इन एम.एल.टी. के लिए 12वीं विज्ञान विषयों के साथ उत्तीर्ण होना जरूरी है। जिसकी अवधि है 3 वर्ष। एम.एस.सी. इन मैडीकल लैबोरेटरी टैक्नोलॉजिस्ट (एम.एल.टी.) प्रोग्राम में प्रवेश करने के लिए अभ्यर्थी के पास पहले हाई स्कूल डिप्लोमा होना चाहिए, इसके बाद 2 साल का एसोसिएट प्रोग्राम करना होता है। यह प्रोग्राम कम्युनिटी कालेज, टैक्नीकल, स्कूल, वोकेशनल स्कूल या विश्वविद्यालय द्वारा कराया जाता है।

मैडीकल लैबोरेटरी तकनीशियनों को काम में निपुणता और जरूरत के अनुसार प्रशिक्षण की जरूरत पड़ती है।

छात्र इस तरह क प्रशिक्षण लैबोरेटरी कार्यों के दौरान ही साथ ही साथ प्राप्त कर सकते हैं। अधिकतर प्रांतों में मैडीकल लैबोरेटरी तकनीशियनों के लिए कोई प्रमाण पत्र की जरूरत नहीं होती, लेकिन कुछ राज्यों में इन तकनीशियनों के पास काम करने के लिए प्रमाण पत्र होना जरूरी है।

प्रमाण पत्र वाले तकनीशियनों के लिए इस क्षेत्र में बेहतर संभावनाएं होती हैं। आप किसी भी मैडीकल लैबोरेटरी हॉस्पिटल, पैथोलॉजिस्ट के साथ काम कर सकते हैं। ब्लड बैंक में इनकी खासी मांग रहती है। आप बतौर रिसर्चर व कंसल्टैंट के अलावा खुद का क्लीनिक खोल सकते हैं।

सामान्य तौर पर एक एम.एल.टी. का वेतन 10 हजार से शुरू होता है जबकि पैथोलॉजिस्ट को तीस हजार रुपए से चालीस हजार रुपए तक सैलरी मिल जाती है। साथ ही योग्यता और तजुर्बे के आधार पर उनके वेतन में इजाफा होता चला जाता है। देश के साथ-साथ विदेशों में भी इनकी खासी मांग है।

आधे से ज्यादा लोग अपनी जॉब से रहते हैं नाखुश!

क्या आप जानते हैं कि आधे से ज्यादा लोग अपनी नौकरी से नाखुश रहते हैं और आधे से ज्यादा लोग इस बात को महसूस करते हैं कि वह जिस जॉब को कर रहे हैं, उसमें उनका कोई भविष्य नहीं है या उन्होंने अपनी जिंदगी में गलत करियर चुन लिया।

यह बात ब्रिटेन स्टडी में सामने आई है। स्टडी में कहा गया है कि ब्रिटेन में काम करने वाले लोग अपनी जॉब से परेशान हैं और वह मानते हैं कि वह अपने भविष्य को सही जगह नहीं ले गए। इसके साथ ही एक चौथाई लोग अपने आपको गरीब कर्मचारी मानते हैं। वह लोग ऐसा इसिलए समझते हैं, क्योंकि वह अपनी जॉब से खुश नहीं होते।

स्टडी के मुताबिक 7 में से 1 कर्मचारी ऐसा भी होता है, जो अपनी जॉब से परेशान होकर उसकी आदर नहीं करते और वह जॉब पर ध्यान नहीं देता। इसके साथ-साथ 49 फीसदी ब्रिटेन के कर्मचारी ऐसे भी हैं, जो जॉब करने के साथ साथ किसी और फिल्ड में भी अपना कैरियर तलाश करते हैं।

प्रतिद्वंद्वी को अपना अच्छा दोस्त बनाएं

जब दोस्त ईर्ष्या करने लगे

कई बार ऑफिस में प्रमोशन मिलने से आपकी बैस्ट फ्रैंड को भी आपसे ईर्ष्या हो जाती है। ऐसे में अपनी ही दोस्त के बिहेवियर में जलन का भाव देख कर किसी को भी टैंशन होना लाजिमी है, उसे बताएं कि बहुत सी चीजें वक्त के साथ ही संभव हो पाती हैं, कल उसे भी तो प्रमोशन मिल सकता है, बस मेहनत करते रहो। इस प्रकार दो दोस्तों के दिलों में पड़ने वाली दीवार को समय रहते मिटाया जा सकता है।

शिकायत करने वालों से बचें

ऐसे दोस्तों की भी कमी नहीं जिसे हमेशा आपसे कोई न कोई शिकायत रहती हो। हर बार कमी गिनाने वाले लोग पॉजीटिव सोच वाले नहीं हो सकते। अत- जरूरी है कि उसकी अधिकांश शिकायतों को उसकी आदत जान कर नजरअंदाज करना आरंभ करें। जब भी वह आपसे शिकायत करने लगे तो बात का टॉपिक ही बदल दें, यदि फिर भी वह न समझे, तो उसे साफ.-साफ कह दें कि हर समय अपनी कमी सुनना अपको पसंद नहीं और वह भी अपने नैगेटिव थॉट्स छोड़ कर पॉजीटिव बातों की तरफ ध्यान दे।

हमेशा सलाह देने वालों से बचें

कुछ लोगों की आदत होती है कि अपने फ्रैंड्स को परेशान देख कर बिना उसकी परेशानी का सबब जाने ही उसे सलाह देने बैठ जाएंगे, बिना यह जाने कि उसे इसकी जरूरत है भी या नहीं। ऐसे दोस्तों को लगता है कि आप में किसी प्रकार का फैसला लेने की क्षमता नहीं है और आपकी भलाई हमेशा उन्हें ऐसा करने को प्रेरित करती रहती है।

अब भले ही आपको यह सब बुरा लगे, पर इतनी सी बात पर दोस्ती कोई नहीं तोड़ता। अब की बार जब वह आपको बिन मांगे सलाह देने लगे तो बड़े प्यार से उसे यह समझाएं कि आप उसकी सलाह एवं राय का आदर करती हैं पर आप भी दूसरों की तरह अपनी ही गलतियों से सीखना चाहती हैं। यदि आपको उसकी सलाह की आवश्यकता होगी तो आप स्वयं उससे सलाह मांग लेंगी, तब तक उन्हें खुद ही इसका हल ढूंढने दिया जाए।

खुद करें पहल

दोस्ती एक ऐसा फेवीकोल है जो बिखरते रिश्तों को मजबूती से जोडने का काम करता है। यदि आप किसी दूसरे से बेहतर बनना चाहती हैं, तो उसकी दोस्त बन जाएं, फिर आपको उससे प्रतिस्पर्धा करने में तनाव भी नहीं होगा और आपको एक नया दोस्त भी मिल जाएगा, जिससे आप प्रतिदिन कुछ नया सीखेंगी। नए रिश्ते बनाने में पहल किसी को तो करनी ही होती है, तो क्यों न आप ही शुरूआत करें क्योंकि प्रतिद्वंद्वी को ही अपना अच्छा दोस्त बनाने से बेहतर और क्या हो सकता है।

बीती बातों को भुलाना बेहतर

कभी किसी दोस्त के लिए गुस्से में अपशब्द निकल गए हों तो उसे भुला कर उससे माफी मांग लें, क्योंकि बीती बातों को दोहराने का कोई लाभ नहीं। माफी मांग लेने से आप एक अच्छे दोस्त को खोने से बच जाएंगी और साथ ही उसकी नजरों में आपका स्थान और ऊंचा हो जाएगा।

अनुवादक

कॅरियर का बेहतरीन विकल्प

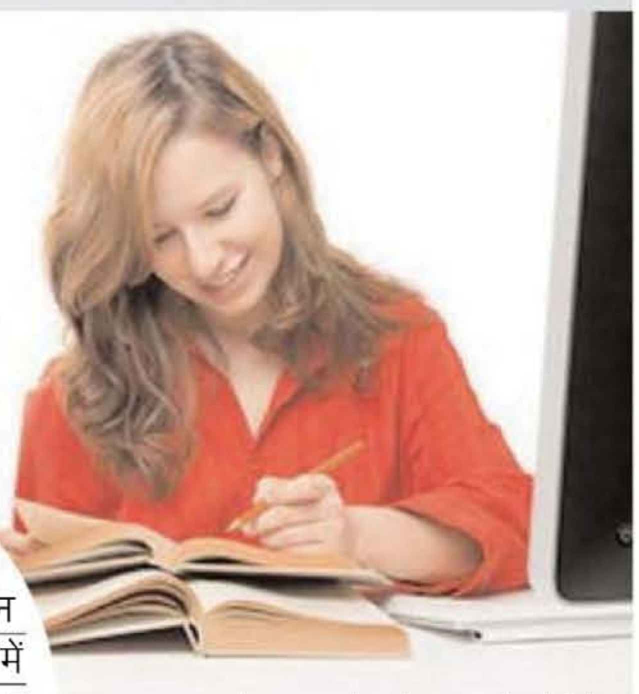

आज दुनिया भर के कई देशों में डिस्कवरी सबसे लोकप्रिय चैनल है। यह चैनल दुनिया के कई देशों में उनकी भाषा में प्रसारण करता है। ऐसा संभव होता है अनुवाद के कारण। अनुवाद एक ऐसा माध्यम है जिसने ग्लोबल दुनिया को एक-दूसरे से जुडने में अहम भूमिका निभाई है। दुनिया की कई भाषाओं में अच्छे अनुवादकों की आज भारी मांग है। अच्छे अनुवादकों को अच्छा काम और अच्छा पैसा मिलने की चिंता नहीं करनी पड़ती है। अच्छे अनुवादक की योग्यता- यह ध्यान रखने की बात है कि अनुवाद मूल लेखन से भी मुश्किल है। सबसे पहले आपको अपनी मातृभाषा के अलावा दूसरी भाषा की जानकारी हो। इसके लिए महज फर्राटे से स्पैनिश और फ्रेंच बोलने से काम नहीं चल जाता। अनुवादक का मकसद एक से दूसरे भाषा क्षेत्र में जाना होता है। इसलिए इसके लिए धैर्य, स्थिरता और समय की जरूरत होती है। अनुवाद शुरू करने से लेकर खत्म करने तक में अनुवादक को कई तरह के प्रयोग करने होते हैं। शब्दों के विकल्पों में से सटीक शब्द चुनना होता है। मूल लेखन और टारगेट रीडर के बीच की दूरी खत्म करनी होती है। यह दूरी जितनी ज्यादा कम हो जाए, अनुवाद उतना सफल होता है। अवसर- शिक्षा और मीडिया से जुड़े लोगों के बीच अनुवाद के काम की बहुत मांग है। विभिन्न दूतावासों में भी अच्छे अनुवादकों की दरकार होती है। फिल्मों और धारावाहिकों में डबिंग के लिए भी अनुवादक की जरूरत होती है।

एक प्रोफेशनल अनुवादक के लिए रोजगार के कई अवसर हैं। आज देश में लगभग पांच करोड़ लोग ऐसे हैं जिन्हें तीन भाषाओं का ज्ञान है। आने वाले समय में यह संख्या बढ़ेगी जिसके कारण रोजगार की संख्या बढ़ेगी। जिन लोगों को दो या तीन भाषाओं की अच्छी जानकारी होती है, वे अनुवादक के रूप में अच्छा करिअर बना सकते हैं। अनुवाद का मानव सभ्यता और संस्कृति के विकास में बहुत बड़ा योगदान है। अनुवाद दरअसल एक सेतु है, जो दो भाषाओं, दो संस्कृतियों और दो सभ्यताओं को आपस में जोड़ता है। भूमंडलीकरण के इस दौर में अनुवादकों की माँग बहुत ज्यादा बढ़ रही है। अनुवाद करने वालों के लिए प्रकाशन गृह में हमेशा स्थान होता है। इसके अलावा फिल्मी दुनिया में भी विदेशी फिल्मों के सबटाइटल' बनाने और किसी अन्य भाषा में फिल्म की डबिंग करने के लिए अनुवादकों की आवश्यकता होती है। अखबार और पत्रिकाओं में भी अनुवाद का बहुत काम होता है, इसलिए प्रिंट मीडिया में भी अनुवादकों के लिए अवसर मौजूद होते हैं। निजी क्षेत्र के अलावा शासकीय क्षेत्र में भी अनुवादकों के लिए रोजगार के कई अवसर उपलब्ध होते हैं। शासकीय दूतावासों में अनुवादक की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है। दूतावास में काम करने वाले अनुवादकों को विदेश जाने के अवसर एवं प्रतिष्ठापूर्ण ओहदा मिलता है। कई लोग अनुवाद को केवल हिंदी और अंग्रेजी के साथ जोड़कर ही देखते हैं। जबकि ऐसा नहीं है, अनुवाद के संदर्भ में हिंदी और अंग्रेजी का क्षेत्र बहुत विस्तृत है, लेकिन अन्य भाषाओं में भी अनुवाद के अनेक अवसर उपलब्ध हैं। यदि हम अपने देश के बारे में बात करें तो हिंदी के अलावा गुजराती, मराठी, कन्नड, तमिल जैसी भाषाओं में भी अनुवादकों के लिए बहुत से अवसर उपलब्ध हैं। यदि अनुवादक के रूप में नौकरी न करना चाहें तो फीलांस अनुवादक के रूप में काम किया जा सकता है। फीलांस अनुवादकों के लिए भी अवसरों की कमी नहीं है। फीलांस अनुवादकों के लिए इंटरनेट बहुत बड़ा अवसरदाता है। कई वेबसाइट अनुवादकों को अवसर मुहैया करवा रही है। इन साइटों पर अनुवादक अपना पंजीयन करवाते हैं।

भाषा संप्रेषण का माध्यम है लेकिन यदि भाषा पर अधिकार हो तो करिअर बनाने की डगर बहुत आसान हो जाती है। वैसे तो आप किसी भी क्षेत्र में अपना करिअर बनाएँ, दो या दो से अधिक भाषाओं पर अच्छी पकड़ आपको हर क्षेत्र में खास तवज्जो दिलाएगी। दो भाषाओं पर अच्छा अधिकार अपने आप में एक विशेषता है।

क्या राम चरण के साथ माइथोलॉजिकल फिल्म कर रहे नागेश भट? निर्देशक ने बताया सच

कई दिनों से ऐसी खबरें सामने आ रही हैं कि साउथ सुपरस्टार राम चरण किल के निर्देशक खिल नागेश भट के साथ एक माइथोलॉजिकल फिल्म में काम करने वाले हैं, जिसके बाद से सोशल मीडिया पर फैंस भी अपना उत्साह साझा कर रहे थे। हालांकि, अब इस पर खुद निर्देशक निखिल नागेश ने चुप्पी तोड़ी है और इस खबर का सच बताया है।

खबरों पर क्या बोले नागेश भट

निर्देशक निखिल नागेश भट ने आखिरकार राम चरण के साथ माइथोलॉजिकल फिल्म बनाने की अफवाहों को खारिज कर दिया है। हाल ही में उन्होंने बातचीत के दौरान इन खबरों का खंडन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह बिलकुल सच नहीं है। इससे पहले एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि यह एक बड़े बजट की फिल्म है, जो भारतीय पौराणिक कथाओं के सबसे महत्वपूर्ण पात्रों में से एक की पृष्ठभूमि पर आधारित है।

किल की सफलता पर जताई खुशी

नागेश भट ने 2024 को एक स्मारक वर्ष बताया और भारत और विदेशों में अपनी परियोजना किल को मिली सकारात्मक प्रशंसा के बारे में बात की। उन्होंने कहा, किल को भारत और विदेश दोनों जगह आलोचनात्मक प्रशंसा मिलने के बाद मुझे लगता है कि मैं एक ऐसी दुनिया में आ गया हूं, जहां कहानियां सीमाओं को पार कर सकती हैं और स्थानीय और वैश्विक स्तर पर दर्शकों से जुड़ सकती हैं। सफलता से अधिक, कहानी कहने की मान्यता ने इस वर्ष को विशेष बना दिया है।

अगली परियोजना पर साझा की जानकारी

अपनी अगली परियोजना के बारे में नागेश भट ने कहा, मैं फिलहाल एक नई कहानी पर काम कर रहा हूं। हालांकि अभी इस बारे में ज्यादा कुछ बताना जल्दबाजी होगी, लेकिन मैं वादा कर सकता हूं कि यह एक्शन के प्रति मेरे प्यार के अनुरूप ही होगी, लेकिन भावनात्मक रूप से और भी गहरी होगी। यह एक ऐसी फिल्म है, जो मुझे ऐसी चुनौती देगी जैसी किसी अन्य परियोजना ने पहले नहीं दी और मैं इसके साथ कहानी कहने के नए आयामों को तलाशने के लिए उत्साहित हूं।

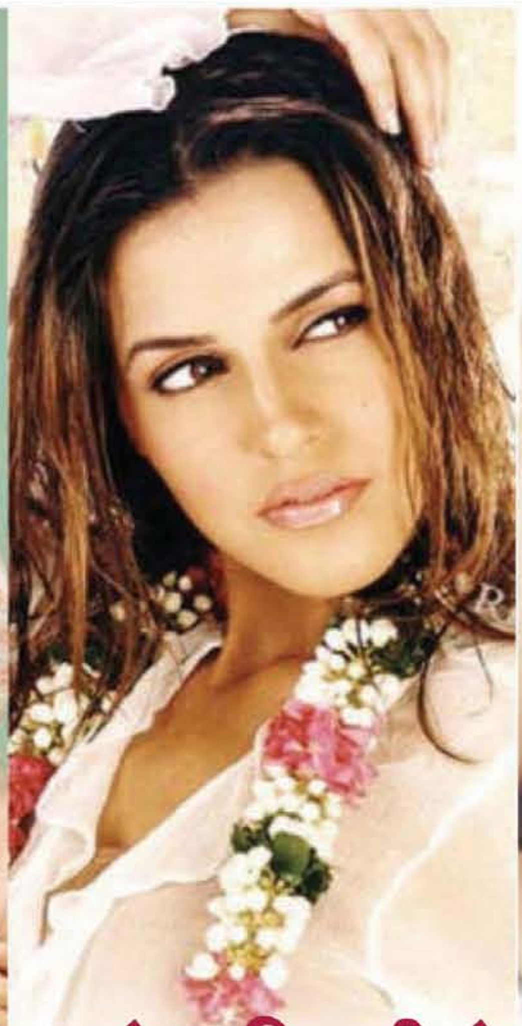

श्वेता तिवारी से नेहा धूपिया तक, पाकिस्तान में अपने अभिनय का झंडा बुलंद कर चुके हैं ये सितारे

कला एक ऐसी चीज है, जो सरहदों से परे मानी जाती है। यही वजह है कि कलाकार अक्सर अपनी सीमाओं से दूर भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते नजर आते हैं। बॉलीवुड की कई हस्तियां हॉलीवुड फिल्मों में दमखम दिखा चुकी हैं तो वहीं, टीवी जगत के सितारे भी कम नहीं हैं। छोटे पर्दे के कई ऐसे चर्चित कलाकार हैं, जिन्होंने भारतीय टीवी शो में तो अपनी पहचान स्थापित की ही, साथ ही पाकिस्तानी सीरियल्स और फिल्मों में भी अपने अभिनय का जादू चला चुके हैं।

श्वेता तिवारी

टीवी शो कसौटी जिंदगी की से घर-घर में पहचान बनाने वाली श्वेता सिंह आज एक्टिंग की दुनिया का बड़ा नाम हैं। उन्होंने कई टीवी सीरियल्स और रियलिटी शो के अलावा बॉलीवुड फिल्मों में भी काम किया है। दिलचस्प बात यह है कि एक्ट्रेस पाकिस्तानी फिल्म में भी काम कर चुकी हैं। श्वेता का एहसान खान समेत कई पाकिस्तानी स्टार्स के साथ एक पाकिस्तानी मूवी 'सल्तनत' में नजर आई थीं। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फिल्म की शूटिंग दुबई में हुई थी।

किरण खेर

अभिनेत्री किरण खेर भी पाकिस्तानी फिल्म में अपने अभिनय का दमखम दिखा चुकी हैं। वह पाकिस्तानी फिल्म खमोश पानी (2003) में नजर आई थीं। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फिल्म के लिए किरण को स्विट्जरलैंड के लोकार्नो फिल्म फेस्टिवल में बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिला था।

सारा खान

टीवी शो विदाई के जरिए पॉपुलर हुई सारा खान ससुराल सिमर का और बिग बॉस में नजर आई थीं। इसके अलावा सारा पाकिस्तानी एक्टर नूर हसन के साथ पाकिस्तानी सीरियल ये कैसी मोहब्बत है में नजर आ चुकी हैं।

नेहा धूपिया

अभिनेत्री नेहा धूपिया का नाम भी लिस्ट में शामिल है। नेहा बॉलीवुड के साथ-साथ पाकिस्तानी फिल्म इंडस्ट्री में भी अपने अभिनय का लोहा मनवा चुकी हैं। बता दें कि नेहा ने प्यार ना करना फिल्म में आइटम नंबर किया था।

अरबाज खान

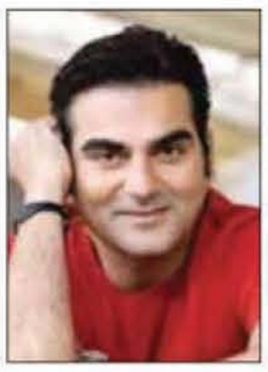

एक्टर अरबाज खान पाकिस्तानी फिल्म गॉडफादर में नजर आए थे। इस फिल्म में अरबाज ने शाकीर खान का रोल निभाया था। इसके अलावा दिग्गज अभिनेता नसीरुद्दीन शाह ने भी अपने अभिनय का दमखम पाकिस्तानी फिल्म इंडस्ट्री में दिखाया है। बता दें कि अभिनेता ने पाकिस्तानी फिल्म खुदा में काम किया था। यही नहीं, इसके अलावा अभिनेता ने फिल्म जिंदा भाग में भी लीड रोल निभाया था।

आईफा 2025 में शामिल होंगी कैटरीना कैफ

अभिनेत्री कैटरीना कैफ अंतर्राष्ट्रीय भारतीय फिल्म अकादमी (आईफा) अवॉर्ड्स 2025 में शामिल होंगी। उन्होंने बताया कि वह इस इवेंट में शामिल होने के लिए उत्साहित हैं। आईफा इस साल अपनी सिल्वर जुबली मना रहा है। आईफा के साथ अपने लगाव को व्यक्त करते हुए कैटरीना ने इस कार्यक्रम को अपने लिए बेहद खास बताया। अभिनेत्री ने कहा, आईफा हमेशा मेरे लिए एक ग्लोबल इवेंट मात्र से कहीं बढ़कर रहा है। यह प्यार, उत्साह और शानदार पलों से भरा सफर है, जिसने सिनेमा और मेरे प्रशंसकों के साथ मेरे जुड़ाव को आकार दिया है। मुझे शुरू से ही यह सहज लगता है, यह एक ऐसी जगह है, जहां हम भारतीय सिनेमा के जादू, कहानी कहने के जुनून और वैश्विक मंच पर एक साथ आने की खुशी का जश्न मनाते हैं। कैटरीना ने कहा, मेरा आईफा का सफर कभी न भूल पाने वाली यादों से भरा रहा है और इस सिल्वर जुबली का हिस्सा बनना वाकई सम्मान की बात है। राजस्थान की राजधानी जयपुर में आईफा वीकेंड और अवार्ड्स में भारतीय सिनेमा के शानदार 25 वर्षों का जश्न मनाना रोमांचक है। मैं आईफा के शुरू होने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं, जो पुरानी यादों, खुशी और प्रशंसकों की एनर्जी से भरा होगा। मैं बेहद उत्साहित हूं और इस इवेंट में शामिल होने और बॉलीवुड के सबसे बड़े वैश्विक मंच पर और भी यादों भरे पल बिताने के लिए उत्साहित हूं। आईफा अवार्ड्स का आयोजन 8-9 मार्च 2025 को जयपुर एग्जिबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर में होगा। इस साल के कार्यक्रम में शाहरुख खान और कार्तिक आर्यन पहली बार आईफा को होस्ट करेंगे। करण जौहर मुख्य कार्यक्रम की मेजबानी करेंगे, जबकि अपारशक्ति खुराना भी आईफा में उनके साथ रहेंगे। फिल्म निर्माता-अभिनेता राकेश रोशन को आईफा में उत्कृष्ट उपलब्धि पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

एक्शन फिल्म गांधारी के लिए परफेक्ट हैं तापसी पन्नू

अभिनेत्री तापसी पन्नू अपकमिंग फिल्म 'गांधारी' में खूब एक्शन करती नजर आएंगी। फिल्म निर्माता-लेखिका कनिका ढिल्लों ने बताया कि तापसी में एक अलग तरह की फुर्ती है, वह एक्शन फिल्म के लिए परफेक्ट हैं। कनिका ने एक्शन सीन्स को बेहतरीन तरीके से निभाने के लिए तापसी की सराहना की। उन्होंने कहा, टीम एक सीन की शूटिंग कर रही थी, जिसमें तापसी के किरदार को एक दीवार पर चढ़ना था।बिना किसी बॉडी डबल या रिहर्सल के (हालांकि सभी सुरक्षात्मक उपाय अपनाए गए थे) तापसी एक ही टेक में पैंथर की तरह दीवार पर चढ़ गईं! मैं उस दिन सेट पर थी और जैसे ही शॉट कट हुआ, पूरा सेट तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा! उन्होंने कहा, यह देखना काफी प्रभावशाली था, तापसी में एक खास तरह की फुर्ती और चपलता है, जो उन्हें 'गांधारी' के लिए एकदम सही बनाती है। वह इस तरह के किरदार से सभी को आश्चर्यचकित करने जा रही हैं, जिसे उन्होंने पहले कभी नहीं निभाया है। कनिका ने फिल्म के अन्य कलाकारों की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, इश्वाक के फिल्म से जुड़ने से फिल्म में प्रतिभा की एक नई लहर और कहानी में कई परतें जुड़ी हैं और मैं दर्शकों को देवाशीष मखीजा के अद्भुत निर्देशन में तैयार और तापसी-इश्वाक स्टारर जादू को दर्शकों के सामने रखने के लिए उत्साहित हूं। 'गांधारी' एक रोमांचक कहानी का वादा करती है, जिसके बैकग्राउंड में मनोरंजन, रहस्य और हाई एक्शन हैं। दर्शक तापसी पन्नू को एक मिशन पर निकली ऐसी मां के किरदार में देखेंगे, जो मजबूत है। कनिका ढिल्लों तापसी के साथ कई फिल्मों में साथ काम कर चुकी हैं, जिनमें 'मनमर्जियां', 'हसीन दिलरुबा', 'फिर आई हसीन दिलरुबा' शामिल हैं। कनिका ढिल्लों के बैनर कथा पिक्चर्स के बैनर तले 'गांधारी' का निर्माण हुआ है, जिसके निर्देशक देवाशीष मखीजा हैं। तापसी की बात करें तो वह आखिरी बार मुदस्सर अजीज के निर्देशन में बनी 'खेल खेल में' फिल्म में नजर आई थीं। साल 2016 की रिलीज इतालवी फिल्म 'परफेक्ट स्ट्रेंजर्स' पर बनी फिल्म में तापसी के साथ अक्षय कुमार, फरदीन खान, वाणी कपूर, एमी विर्क, आदित्य सील और प्रज्ञा जायसवाल अहम रोल में हैं।

स्ट्रगल तो हमेशा रहता है ओटीटी से बदली किस्मत

बॉलीवुड में अपनी पहचान बनाने के लिए संघर्ष करना हर कलाकार के लिए एक लंबा सफर होता है। हाल ही में बातचीत में एक्टर तनुज विरवानी ने अपने करियर, संघर्ष, संतुष्टि और पिता बनने के अनुभव पर खुलकर बात की। बता दें, तनुज इनसाइड एज, कोड रू मुरशिद जैसे प्रोजेक्ट्स में नजर आ चुके हैं। हाल ही में वे फिल्म लेट्स मीट में भी दिखाई दिए।

संघर्ष और संतुष्टि की कहानी

शुरुआत के 10-12 सालों में मैंने बहुत कुछ देखा। ऐसे मौके भी आए जब लगा कि अब बैग पैक कर लेना चाहिए और पापा के बिजनेस में लग जाना चाहिए। शुरुआती दो-तीन फिल्मों के बाद कुछ भी काम नहीं कर रहा था। वो दौर बहुत मुश्किल था। तब वेब सीरीज का सहारा भी नहीं था, सिर्फ फिल्में और टेलीविजन थे। लेकिन फिर ओटीटी प्लेटफॉर्म ने मुझे एक सेकंड इनिंग्स दी। इनसाइड एज मेरे लिए टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। उसके बाद से मुझे अलग-अलग जॉनर में काम करने का मौका मिला।

क्या अपने सफर से संतुष्ट हैं?

संतुष्ट तो अभी भी नहीं हूं। भूख अभी भी बहुत है। इच्छा यही है कि अच्छे लोगों के साथ काम करूं और हर सेट पर जाकर कुछ नया सीखूं। मैं ट्रेन्ड ऐक्टर नहीं हूं, मैंने कहीं से भी एक्टिंग सीखी नहीं है। जो कुछ भी सीखा, दूसरों को देखकर, फिल्में देखकर, सेट पर रहकर सीखा। मेरे लिए जर्नी ही सबसे बड़ी सीख है। हर नया प्रोजेक्ट मेरे लिए एक नया चैलेंज होता है। मैं हर बार खुद को प्रूव करना चाहता हूं।

क्या कोई स्पेशल जॉनर ज्यादा पसंद है?

जहां पैसे मिलते हैं... (हंसते हुए) मजाक कर रहा हूं। सच कहूं तो मुझे हर तरह के किरदार पसंद हैं। अगर मैं किसी डार्क, नेगेटिव या साइकोटिक रोल को निभा रहा हूं, तो उसके बाद मैं कुछ हल्का, मजेदार करना पसंद करता हूं। जैसे 'लेट्स मीट' जैसी फिल्में। इससे संतुलन बना रहता है। अभी क्या है? मैं रणबीर कपूर या शाहरुख खान नहीं हूं कि मेरे सामने सैकड़ों स्क्रिप्ट्स रखी होती हैं। जो मौके मिलते हैं, उन्हीं में से सबसे अच्छा चुनने की कोशिश करता हूं। यह किसी भी एक्टर के लिए रोमांचक दौर है क्योंकि वेब स्पेस तेजी से बढ़ रहा है और सिनेमा के अलग-अलग फॉर्मेट्स पर खूब काम हो रहा है। रणबीर कपूर और रणवीर सिंह जैसे सुपरस्टार्स बड़े नाम हैं, लेकिन असली वजह यह है कि वे अपने किरदार निभाते हैं और इसी वजह से हम उन्हें पसंद करते हैं।

फिल्म इंडस्ट्री में बदलाव और संघर्ष

तनुज मानते हैं कि इंडस्ट्री में बदलाव आया है, लेकिन स्ट्रगल कभी खत्म नहीं होता। ओटीटी ने काफी चीजें बदली हैं। अब हीरो वही नहीं होता, जिसे हर वक्त परफेक्ट दिखना होता है। अब आम आदमी भी हीरो बन सकता है। यही बदलाव मुझे पसंद है, क्योंकि अब किरदारों को निभाने का मौका मिलता है। लेकिन इंडस्ट्री में आपको हमेशा प्रोएक्टिव रहना पड़ता है। स्ट्रगल तो हमेशा रहता है। बस, आपको पता होना चाहिए कि कौन-कौन सी स्क्रिप्ट मार्केट में है, कौन-कौन से शोज या फिल्में बन रही हैं। अगर आप अपने घर बैठकर सोचते हैं कि काम खुद चलकर आएगा, तो ऐसा नहीं होता। आपको लोगों से मिलना पड़ता है, ऑडिशन देना पड़ता है। मेरा मानना है कि जितना ज्यादा ऑडिशन देंगे, आपकी एक्टिंग उतनी ही निखरेगी। मुझे लगता है कि आजकल लोगों के पास चॉइस बहुत हैं। इसलिए हर ऐक्टर को अपने टैलेंट को लगातार निखारते रहना चाहिए।

एलनाज नौरोजी के हाथ लगी हॉलीवुड फिल्म

एलनाज नौरोजी बॉलीवुड फिल्मों और हिंदी वेब सीरीज में काफी समय से एक्टिव हैं। वह ईरानी-जर्मन मूल की मॉडल हैं, जो भारत में रहती हैं। हाल ही में एलनाज नौरोजी के हाथ एक हॉलीवुड फिल्म लगी है। इस फिल्म में उन्हें जाचरी लेवी और लियाम निसन के साथ काम करने का मौका मिलेगा। इससे पहले वह 'कंधार' नाम की एक हॉलीवुड फिल्म कर चुकी हैं। एलनाज के बॉलीवुड करियर की बात है तो वह 'सेक्रेड गेम्स' में जोया का किरदार निभा चुकी हैं। एक्ट्रेस हिंदी फिल्म 'हैलो चार्ली' और 'जुग जुग जीयो' में भी नजर आ चुकी हैं। एलनाज म्यूजिक वीडियो का भी हिस्सा रह चुकी हैं। वह साल 2018 में गुरु रंधावा के म्यूजिक वीडियो 'मेड इन इंडिया' में भी दिखी थीं।

फूल खिले हैं गुलशन-गुलशन....

सेक्टर-33ए स्थित शिवालिक पार्क में 4 दिवसीय पुष्प प्रदर्शनी का फीता काटकर शुभारंभ करते सांसद डॉ. महेश शर्मा। साथ में नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम, एसीईओ वंदना त्रिपाठी,संजीव खत्री व सतीश पाल, जीएम (जल) आर.पी. सिंह, डीजीएम (सिविल) विजय रावल, एनईए अध्यक्ष चौ.राजकुमार आदि।

ये हैं आकर्षण का केन्द्र, फूलों से बनी कलाकृतियां

सरकार की उपलब्धियों से फ्रस्ट्रेंशन में है अखिलेश यादव: बृजेश पाठक

उप मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय बजट व उप्र के बजट की उपलब्धियां बताई

नोएडा (चेतना मंच)। प्रयागराज के कुंभपर सवाल उठाना समाजवादी पार्टी तथा कांग्रेस की खिसियाहट को प्रकट करता है। हाल ही में उपुचनाव में 8 सीटें हारने तथा सरकार की उपलब्धियों पर विपक्षी दल फ्रस्टेंशन का शिकार है। इसी के चलते अखिलेश यादव व खड़गे जैसे नेता अनर्गल बयान दे रहे हैं। दिल्ली में भाजपा की जीत ने विपक्षी दलों पर करारा तमाचा जड़ दिया है। यह कहना था उप्र के उप मुख्यमंत्री तथा स्वास्थ्य मंत्री बृजेश

पाठक का। वे सेक्टर-6 स्थित एनईए सभागार में बजट पर सरकार का पक्ष रखने के बाद मीडिया से वार्ता कर रहे थे।

इस दौरान श्री पाठक ने केन्द्रीय बजट की सभी उपलब्धियां बताई तथा उप्र के जारी बजट की भी प्रशंसा की। इसके बाद उप मुख्यमंत्री ने बजट को लेकर इंदिरा गांधी कला केन्द्रमें संगोष्ठी की। जिसका शहर के आरडब्ल्यूए, फोनरवा, एनईए सहित कई सामाजिक व औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधि तथा भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

इस दौरान सांसद डा. महेश शर्मा, भाजपा के जिलाध्यक्ष गजेन्द्र मावी, नोएडा महानगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता, महामंत्री उमेश त्यागी, गणेश जाटव, डिम्पल यादव, सांसद प्रतिनिधि संजय बाली, उमेश पहलवान, चमन अवाना, एनईए अध्यक्ष विपिन मल्हन, गिरीश कोटनाला, महेश अवाना, डीडीआरडब्ल्यूए अध्यक्ष एनपी सिंह, अशोक मिश्रा, विनोद शर्मा समेत कई लोग थे।

जेवर एयरपोर्ट से जुड़ेंगे हरियाणा के प्रमुख शहर

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा के पास जेवर में बन रहे जेवर एयरपोर्ट (नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट) से अब हरियाणा के प्रमुख शहर भी जुड़ जाएंगे। हरियाणा रोडवेज और नोएडा इंटरनेशनल (एनआईए) के बीच बस कनेक्टिविटी के लिए समझौता पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

जेवर एयरपोर्ट से अप्रैल-2025 से उड़ानें शुरू हो जाएंगी। जेवर एयरपोर्ट तक अच्छी कनेक्टिवआी बनाने के लिए कई अहम कदम उठाये जा रहे हैं। इसी के तहत यह समझौता है। यात्रियों को एयरपोर्ट के वाणिज्यिक उद्घाटन से पलवल, फरीदाबाद, गुड़गांव, कुरुक्षेत्र, चंडीगढ़, हिसार, नारनौल, पानीपत और अंबाला जैसे गंतव्यों तक सीधी बस सेवा मिलेगी। यह साझेदारी क्षेत्रीय संपर्क को मजबूत करने में एक महत्वपूर्ण कदम है और एक निर्बाध यात्रा अनुभव प्रदान करने की एनआईए की प्रतिबद्धता के अनुरूप है। यमुना एक्सप्रेसवे के किनारे स्थित जेवर एयरपोर्ट दिल्ली एनसीआर और हरियाणा सहित पड़ोसी राज्यों के लिए एक प्रमुख प्रवेश द्वार के रूप में स्थापित होगा।

राज्य परिवहन विभाग (हरियाणा रोडवेज) के अतिरिक्त निदेशक ने इस मौके पर कहा कि हमें नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के साथ अपनी साझेदारी की घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है। जो नोएडा और पलवल, फरीदाबाद, गुड़गांव, कुरुक्षेत्र, चंडीगढ़, हिसार, नारनौल, पानीपत और अंबाला जैसे प्रमुख शहरों के बीच क्षेत्रीय संपर्क बढ़ाने की दिशा में एक परिवर्तनकारी कदम है। यह सहयोग हवाई और सड़क परिवहन को सहजता से एकीकृत करेगा, जिससे यात्रियों को एक सुगम, कुशल यात्रा अनुभव मिल सकेगा।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के सीईओ क्रिस्टोफ़ श्नेलमैन ने कहा कि हरियाणा रोडवेज के साथ हमारी साझेदारी नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को एक सहज क्षेत्रीय परिवहन केंद्र के रूप में स्थापित करने के हमारे लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

यह साझेदारी क्षेत्रीय संपर्क को बढ़ावा देने, पर्यटन को सुविधाजनक बनाने और आर्थिक विकास को गति देने के साथ-साथ विश्व स्तरीय यात्रा अनुभव प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है। हवाई अड्डा निजी वाहनों के लिए सुगम पहुँच सुनिश्चित करने के लिए सरकारी अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहा है और विविध सार्वजनिक परिवहन विकल्पों की पेशकश करने के लिए साझेदारी बना रहा है। हवाई अड्डे के अपने पहले चरण में, एक रनवे और एक टर्मिनल के साथ, हवाई अड्डे की क्षमता सालाना 12 मिलियन यात्रियों को संभालने की होगी।

दूरसंचार सलाहकार समिति की बैठक सम्पन्न

नोएडा (चेतना मंच)। भारत सरकार के दूरसंचार विभाग द्वारा आयोजित दूरसंचार सलाहकार समिति की बैठक सैक्टर-19, नोएडा में आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता सांसद एवं पूर्व मंत्री डॉ. महेश शर्मा ने की। जिसमें नव नियुक्त सदस्य भी उपस्थित रहे।

बैठक में बीएसएनएल सेवाओं के विस्तार और विकास के कार्यों पर विस्तृत चर्चा की गई। इसके साथ ही नव नियुक्त सदस्यों का बीएसएनएल के अधिकारियों द्वारा अभिनंदन और स्वागत भी किया गया।

इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि संजय बाली, अशोक कुमार मिश्रा, प्रमोद कुमार प्रजापति, रविंद्र कुमार, श्रीमती डिम्पल आनंद, चंद्रमणि भारद्वाज, जैनेन्द्र चौरसिया सहित बीएसएनएल के अधिकारी भी उपस्थित थे।

एलुमनी मीट में चलेगा बी प्राक का जादू

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के सेक्टर-110 महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी में एलुमनी मीट-2025 का आयोजन किया जाएगा। एलुमनी मीट में फेमस सिंगर बी-प्राक अपना जादू बिखेरेगा। एलुमनी मीट को लेकर हुए प्रेसवार्ता में यूनिवर्सिटी प्रबंधन से जुड़े लोगों ने बताया कि टेक्नोलॉजी द्वारा 22 फरवरी को आयोजित होने एलुमनी मीट कार्यक्रम का उद्देश्य विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रों को एक स्थान पर लाकर उनके अनुभवों और उपलब्धियों को साझा करना है।

इस दौरान यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर प्रोफेसर डॉ. भानु प्रताप सिंह, डीन अकादमिक डॉक्टर तृप्ति अग्रवाल, असिस्टेंट रजिस्ट्रार संदीप शर्मा, डायरेक्टर कॉरपोरेट अफेयर्स रतीश गुप्ता, एवं कार्यक्रम के संयोजक शिवम् यादव उपस्थित रहे। वाइस चांसलर प्रोफेसर डॉ. भानु प्रताप सिंह ने कहा एलुमनी मीट 2025 हमारे पूर्व छात्रों के लिए न केवल अपने सहपाठियों और शिक्षकों से मिलने का अवसर है, बल्कि यह उनके आपसी रिश्ते को मजबूत करने और नई पीढ़ी के विद्यार्थियों को प्रेरित करने का भी एक महत्वपूर्ण मंच है।

डीन अकादमिक डॉ. तृप्ति अग्रवाल ने कहा कि विश्वविद्यालय अपने पूर्व छात्रों की उपलब्धियों पर गर्व महसूस करता है और इस आयोजन के माध्यम से उनके अनुभवों से वर्तमान विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा। असिस्टेंट रजिस्ट्रार संदीप शर्मा व डायरेक्टर कॉरपोरेट अफेयर्स रतीश गुप्ता ने बताया कि इस कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर रहे पूर्व छात्र अपनी सफलता की कहानियाँ साझा करेंगे और विश्वविद्यालय के विकास में उनके योगदान पर भी चर्चा होगी।

कार्यक्रम के संयोजक शिवम् यादव ने बताया कि मशहूर बॉलीवुड सिंगर बी प्राक अपनी शानदार लाइव प्रस्तुति देंगे।

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण
प्रथम तल, कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स, ओमेगा-1, (पी-2), ग्रेटर नौएडा,
Toll Free No. 18001808296 वेबसाइट: www.yamunaexpresswayauthority.com

सार्वजनिक सूचना

पत्रांक: वाई.ई.ए./भूलेख/1325/02/2025 दिनांक : 17.02.2025

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण की विभिन्न योजनाओं हेतु परियोजना विभाग की आवश्यकतानुसार **ग्राम घनौरी में 7 प्रतिशत आबादी भूखण्ड के अन्तर्गत आने वाले खसरों** आने वाले खसरे, जिसके सापेक्ष 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त प्रतिकर का वितरण किया जाना प्रस्तावित है:-

ग्राम का नाम	खसरा संख्या
ग्राम घनौरी	291, 331, 341, 358, 795

पत्रांक: वाई.ई.ए./भूलेख/1129/2025 दिनांक : 19.02.2025

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण की विभिन्न योजनाओं हेतु परियोजना विभाग की आवश्यकतानुसार **ग्राम घनौरी सैक्टर-17 के अन्तर्गत आने वाले खसरों** आने वाले खसरे, जिसके सापेक्ष 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त प्रतिकर का वितरण किया जाना प्रस्तावित है:-

ग्राम का नाम	खसरा संख्या
ग्राम घनौरी	346, 145, 156, 280, 164, 279, 168, 352, 356, 518, 324, 554, 206, 496, 208, 274, 64, 775, 357, 287, 292, 561, 556, 115, 327, 134, 290, 135, 393, 407, 69, 49, 337, 339, 338, 336

1. भूमि के अतिरिक्त प्रतिकर वितरण किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति है तो वह लिखित रूप में प्रकाशन के 15 दिनों के अन्दर सी०आर० सेल/तहसीलदार, यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण के समक्ष अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है।

विशेष कार्याधिकारी
यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र में प्राधिकरण द्वारा स्वीकृत मास्टर प्लॉन के अतिरिक्त प्लॉटिंग / हाउसिंग / कॉलोनी या किसी भी प्रकार का अन्य निर्माण पूरी तरह से अवैद्य है। सामान्यजन इस प्रकार की खरीदफरोख्त से पूर्णतः सचेत रहें तथा कॉलोनाइज़र के भ्रामक विज्ञापनों से बचें। अधिक जानकारी के लिए प्राधिकरण की वेबसाइट www.yamunaexpresswayauthority.com देखें।